पटना ● शनिवार, 29 जून 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः168 | www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर
न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

जिला पार्षद सुरेश यादव हत्याकांड ... 3 | www. bordernewsmirror.com | प्रभास व महेश बाबू के... 8

भगवान राम ने मनवाया अस्तित्व, लीला समझा नहीं विपक्ष

● अयोध्या-चित्रकूट की हार पर सुधांशु ने विपक्ष को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में भगवान राम से जुड़े कई स्थानों वाली लोकसभा सीटों में मिली हार पर बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा है कि विपक्ष प्रभु की लीला नहीं समझ पाया। बीजेपी सांसद ने कहा कि भगवान राम ने आपको (विपक्ष) अपना अस्तित्व मनवा

दिया है। संसद में बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हमारे विरोधी बता रहे हैं कि आप अयोध्या, बस्ती, प्रयागराज, चित्रकूट, नासिक, रामेश्वरम हार गए। कह रहे हैं कि भगवान राम से जुड़े सारे स्थलों पर बीजेपी हार गई, लेकिन वे प्रभु की लीला नहीं समझ पाए। जो लोग कहते थे कि भगवान राम हुए नहीं, उनका सबूत दो। वे उत्तर से दक्षिण तक भगवान राम का सबूत दे रहे हैं कि अयोध्या, बस्ती, प्रयागराज, रामटेक, रामेश्वरम भी था।

एमपी में मोहन कैबिनेट का जल्द होगा विस्तार!

● कांग्रेस से आए दो बड़े चेहरों को मिल सकती जगह

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में एक बार फिर से कैबिनेट विस्तार की अटकलें तेज हो गई हैं। अमरवाड़ा उपचुनाव के बाद कैबिनेट विस्तार संभव है। अभी मोहन कैबिनेट में चार जगह खाली है। सीएम समेत अभी कैबिनेट में 30 लोग हैं। एमपी में मंत्रियों की संख्या

34 तक हो सकती है। अभी चार लोगों को कैबिनेट में एडजस्ट करने की संभावना है। ऐसे में चर्चा है कि कांग्रेस से आए दो कद्दावर चेहरों को कैबिनेट में जगह मिल सकती है। ये दोनों चेहरे लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हुए हैं। इनके आने के बाद उनके क्षेत्रों में कांग्रेस को बड़ा नुकसान हुआ था। दरअसल, लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के सीनियर विधायक रामनिवास रावत बीजेपी में शामिल हो गए थे।

एनडीए के घटक सांसदों से मिले प्रधानमंत्री मोदी

● चिराग से बोले-आपने खुद को साबित किया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) के सांसदों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने चिराग पासवान की तारीफ करते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि उन्होंने खुद को योग्य साबित किया है और अपने पिता के सपनों को पूरा कर रहे हैं। चिराग पासवान लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष हैं और पूर्व

केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के बेटे हैं। समाजवादी नेता रामविलास पासवान ने लोजपा का गठन किया था और उनके निधन के बाद पार्टी दो धड़ों में विभाजित हो गई थी। एक धड़े का नेतृत्व पूर्व केंद्रीय मंत्री व रामविलास पासवान के भाई पशुपति कुमार पारस कर रहे हैं, जबकि दूसरे धड़े का नेतृत्व चिराग पासवान के हाथों में है। दोनों ही धड़े राजग के सदस्य हैं। लोकसभा चुनाव के लिए समझौते के तहत भाजपा ने लोजपा (रामविलास) को पांच सीट दी थी।

नीट 'धांधली' को लेकर सड़क से संसद तक कोहराम

● संसद में विपक्ष का हंगामा, बाहर यूथ कांग्रेस का हल्लाबोल

सीबीआई की रडार पर 33 लोग, ममता की पीएम को चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर सड़क से लेकर सदन तक हंगामा जारी है। दिल्ली में गुरुवार को यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया वहीं विपक्ष ने राज्यसभा और लोकसभा में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की है। दूसरी तरफ सीबीआई लगातार इस मामले पर नजर बनाए हुए है। जानकारी के मुताबिक एजेंसी की रडार पर बिहार, झारखंड, कर्नाटक जैसे राज्यों में सॉल्वर गिरोह के 33 आरोपी हैं। इन सभी पर पहले भी

फर्जीवाड़े के आरोप लगते रहे हैं। राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर नीट मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि युवाओं के ये नहीं मालूम कि उनके साथ क्या होने वाला है। उनके लिए संसद में बहस होनी चाहिए।

● मैं कभी माइक बंद नहीं करता...यहां कोई बटन नहीं है

लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को भी हंगामेदार रही। कांग्रेस समेत विपक्षी दल नीट मुद्दे पर चर्चा की मांग पर अड़े रहे। वहीं, लोकसभा स्पीकर ने विपक्षी दलों के सदस्यों से कहा कि वे राष्ट्रपति के अभिभाषण से जुड़े सभी विषयों पर चर्चा कर सकते हैं। इसस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने माइक बंद करने से जुड़ी बात कही। राहुल के सवाल पर स्पीकर ने साफतौर पर अपनी बात कही। स्पीकर ने राहुल गांधी से कहा कि मैं माइक बंद नहीं करता हूं, मैंने पूर्व में भी आपको व्यवस्था दी थी। स्पीकर ने कहा कि यहां कोई बटन नहीं होता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस दौरान कहा कि हम हिंदुस्तान के छात्रों को सरकार और विपक्ष की तरफ से संयुक्त संदेश देना चाहते थे कि हम उनके मुद्दे को जरूरी मानते हैं। इसलिए हम छात्रों के प्रति सम्मान जताने के लिए नीट के मुद्दे पर विशेष चर्चा करना चाहते थे। लोकसभा अध्यक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी और विपक्षी सदस्य हंगामा करते रहे।

कर्नाटक में वैन और लॉरी की टक्कर, 13 लोगों की मौत

● 4 घायल, गाड़ी में 17 लोग सवार थे, ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ

हावेरी (एजेंसी)। कर्नाटक के हावेरी जिले में वैन और लॉरी की टक्कर में दो बच्चों सहित 13 लोगों की मौत हो गई। चार घायल हैं। वैन में 17 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया, हादसा सुबह 3.45 पर हुआ। जब वैन हावेरी जिले के बयादागी में हाईवे किनारे खड़ी एक लॉरी से टकरा गई। चार घायलों में से दो आईसीयू में एडमिट हैं। हावेरी एसपी अंशु कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक, वैन में सवार सभी लोग चिंचोली मयम्मा देवस्थान से आ रहे थे और शिवमोग्गा लौट रहे थे। तभी वैन ने लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी। शुरुआती जांच

में सामने आया कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने कहा कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि, कुछ शव वैन के टूटे हिस्सों में फंस गए थे। फायर ब्रिगेड की मदद से उन्हें निकाला गया। मृतकों की पहचान नागेश, विशालाक्षी, आदर्श, अर्पिता, परशुराम, भाग्य, पुण्य, मनसा, रूपा, सुभद्रा बाई, मंजुला बाई और मंजुला के रूप में की गई है। एक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

चुनावी मोड में महाराष्ट्र की शिंदे सरकार, खोला दिया खजाना

● महाराष्ट्र में अब महिलाओं को हर महीने में मिलेंगे 1500 रुपए

अजित पवार ने पेश किया बजट, 46 करोड़ का किया प्रावधान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने शुक्रवार को राज्य सरकार की तरफ अंतरिम बजट पेश किया। विधानसभा चुनाव से पहले पेश किए बजट में राज्य सरकार ने बजट में कई लोकलुभावन की घोषणा की है। सरकार ने वारकरियों के लिए मुफ्त चिकित्सा जांच और इलाज के साथ ही समुदाय के विकास के लिए वारकरी विकास निगम का गठन करने का ऐलान किया है। इसके अलावा पंढरपुर डिंडी के लिए 36 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें प्रत्येक डिंडी (तीर्थयात्रियों का समूह) को 20,000 रुपये मिलेंगे। विधान परिषद में यह बजट शिवसेना के मंत्री दीपक केसरकर रखेंगे। बजट सत्र के दौरान शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे मौजूद रहे। विधानसभा में बजट पेश करते हुए अजित पवार ने कहा कि सरकार राज्य को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का प्रयास कर रही है।

सरकार ने सीएम लड़की बहन योजना भी शुरू की, जिसके तहत जुलाई 2024 से हर महीने महिलाओं को 1,500 रुपये दिए जाएंगे। बजट में इसके लिए सालाना 46 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

केन्द्र सरकार ने शुरू की जनता को खुश करने की बड़ी तैयारी

● अधिकारियों संग जल्द बैठक कर सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी

आखिरी व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सप्ताह ही अपने आला अफसरों के साथ बड़ी बैठक करके जनहित के कार्यों की समीक्षा कर सकते हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने से पहले ही पीएम मोदी ने अधिकारियों को पहले 100 दिन का एजेंडा तैयार करने का काम सौंप दिया था। अब बारी है सरकार को काम करके दिखाने की। अधिकारियों के साथ बैठक में जनहित की योजनाओं और आखिरी व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाने को लेकर चर्चा हो सकती है। वहीं सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी विभागवार भी 125 दिनों के एजेंडे की समीक्षा कर सकते हैं। इसमें अंत्योदय के सिद्धांत पर विशेष तौर पर ध्यान दिया जा सकता है। मामले से जुड़े एक शख्स ने बताया,

अधिकारियों के साथ बैठक में पांच साल के रोडमैप पर भी चर्चा हो सकती है कि इस कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए क्या कदम उठाने होंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव की रेस से बाहर होंगे बाइडेन!

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवारों के बीच डिबेट हुई। इस डिबेट में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन कई बार फंसते हुए दिखे। वहीं

ट्रंप का आक्रामक रूप देखने को मिला। ट्रंप लगातार बाइडेन की नीतियों, माइग्रेशन क्राइसिस, रूस यूक्रेन युद्ध को न संभाल पाने का मुद्दा उठाते रहे। इस डिबेट के दौरान बाइडेन फ्रीज होते रहे और घबराते दिखे। उन्होंने कई गलत बयान दिए, जिससे उनकी डेमोक्रेट पार्टी में नाराजगी और चिंता है।

सरकार नई, पर तेवर वही

विपक्ष को डिप्टी स्पीकर का भी पद नहीं देगा एनडीए

विपक्ष की मांग के बाद दोनों ही खेमों में नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा के लिए ओम बिरला को अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने ध्वनि मत से यह चुनाव जीत लिया है। स्पीकर के बाद अब उपसभापति की बारी है। पिछली लोकसभा में यह पद रिक्त था। इस चुनाव में विपक्षी गठबंधन को 2019 की तुलना में शानदार जीत मिली है इस वजह से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच यह विवाद का विषय बन गया है। आपको बता दें कि विपक्ष ने अध्यक्ष के चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के अध्यक्ष उम्मीदवार को समर्थन देने के बदले उपसभापति पद की मांग की थी। विपक्ष की इस मांग के बाद दोनों ही खेमों में सहमति नहीं बनी। अध्यक्ष पद के चुनाव हुआ। कोटा ले भाजपा सांसद और पूर्व लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और कांग्रेस सांसद कोडिकुन्निल सुरेश के बीच मुकाबला था। ओम बिरला को ध्वनि मत से अध्यक्ष चुना गया। विपक्ष ने मत विभाजन के

लिए दबाव नहीं डाला। आपको बता दें कि 17वीं लोकसभा में उपसभापति का पद खाली थी। 16वीं लोकसभा में तत्कालीन भाजपा सहयोगी एआईएडीएमके के एम थंबीदुरई उपसभापति थे। पिछली दो लोकसभाओं के विपरीत भाजपा के पास सदन में बहुमत नहीं है। यही कारण है कि उपसभापति पद की मांग तेज हो गई है। सूत्रों ने कहा कि 18वीं लोकसभा में उपसभापति होगा। अध्यक्ष के साथ-साथ सरकार की भी यही राय है। टीडीपी जैसे भाजपा के किसी सहयोगी दल को यह पद मिल सकता है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 की छत गिरी, 1 व्यक्ति की मौत

8 घायल, कई कारें दबीं; कांग्रेस बोली-मोदी ने उद्घाटन किया, भाजपा का आरोप- 2009 में बना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में बारिश की वजह से शुक्रवार सुबह 5 बजे इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर पार्किंग की छत गिर गई। हादसे में कार में बैठे एक कैब ड्राइवर की मौत हो गई, 8 घायल हैं। घायलों का इलाज मेदांता अस्पताल में चल रहा है। दिल्ली फायर सर्विस, पुलिस, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर राहत-बचाव में जुटी हैं। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारियों ने बताया- टर्मिनल-1 पर डोमेस्टिक फ्लाइट के लिए पार्किंग एरिया में सुबह गाड़ियों की लंबी लाइन लगी थी। इसी दौरान पार्किंग की छत गिर गई। छत का भारी-भरकम हिस्सा और लोहे के तीन सपोर्ट बीम भी गाड़ियों पर गिर गए। इस दौरान यहां खड़ी कारें बीम में दब गईं। आईजीआई एयरपोर्ट की चीफ उषा रंगनानी ने

बताया कि डिपार्चर गेट नंबर 1 से से गेट नंबर 2 तक फैले टर्मिनल-1 के बाहर का शेड ढह गया, जिसमें करीब 4 गाड़ियां दब गईं। एजेंसी के असिस्टेंट डिवीजनल ऑफिसर रविंदर सिंह ने बताया कि आठ लोगों को मलबे से बचाया गया। बाहर निकाले गए एक व्यक्ति की मौत पहले ही हो चुकी थी। हादसे को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार गंभीर आरोप लगाए।

हेमंत सोरेन 5 महीने बाद जेल से आए बाहर

● झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत देते हुए कहा-मनी लॉन्ड्रिंग केस में शामिल होने के ठोस सबूत नहीं

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन शुक्रवार को रांची की बिरसा मुंडा जेल से बाहर आ गए हैं। जेल के बाहर समर्थकों ने उनका स्वागत किया। उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी उन्हें लेने के लिए जेल पहुंची थीं। शुक्रवार सुबह जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाईकोर्ट से उन्हें जमानत मिली है। हाईकोर्ट ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग केस में शामिल होने के ठोस सबूत नहीं मिले हैं। हेमंत सोरेन को जमानत देते हुए हाईकोर्ट ने कहा है कि सोरेन पीएमएलए एक्ट के तहत जमानत की दोनों शर्तों को पूरा करते हैं। यह विश्वास करने का कोई कारण नहीं हो कि आरोपी ने कथित अपराध किया है। दूसरी शर्त है कि जमानत पर रहने के दौरान उस तरह का कोई अपराध नहीं करेगा। कोर्ट ने कहा कि सोरेन उन दोनों शर्तों को पूरा करते हैं। इसलिए अदालत

इन्हें नियमित जमानत दे रही है। कोर्ट के फैसले के बाद सोरेन के सरकारी आवास में मिठाई बांटी गईं। हेमंत को इस मामले में 31 जनवरी की रात ईडी ने गिरफ्तार किया था। जमानत याचिका पर 13 जून को सुनवाई पूरी हो चुकी थी। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अदालत में पिछले तीन दिनों तक सुनवाई हुई। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। जेएमएम ने एक्स पर लिखा है- हर अत्याचारी का अंत बुरा ही होता है। तानाशाहों के पास जितनी भी शक्ति है, अंत में हमेशा सत्य की ही जीत होती है।

संक्षिप्त समाचार

जान मारने की नीयत से किया हमला

दरभंगा/बहेड़ी, एजेंसी। सुसारी गांव के सुरेंद्र मंडल के बेंता ओपी को दिए बयान के आधार पर गुरुवार को बहेड़ी थाने में केस दर्ज किया गया। इसमें उनके पड़ोसी रामवीर मंडल व परमानंद मंडल को नामजद सहित पांच अज्ञात को आरोपित किया गया है। उन्होंने कहा है कि उनके साथ-साथ उनके पुत्र, पत्नी व अन्य सदस्यों को 20 जुलाई को लोहे के रॉड, टेंगारी आदि से जान मारने की नीयत से हमला करते हुए मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया गया। उनके पुत्र सुमन कुमार की रीढ़ की हड्डी भी फ्रैक्चर हो गयी है। सभी का इलाज पहले बहेड़ी पीएचसी में हुआ फिर रेफर होने के बाद डीएमसीएच में किया गया। थानाध्यक्ष वरुण कुमार गोस्वामी ने बताया कि कांड दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

सर्पदंश से घर मे सो रही युवती की मौत

छपरा/दिघवारा, एजेंसी। थाना क्षेत्र के बस्ती जलाल गांव मे बुधवार की रात्रि में सोने के दौरान एक युवती को जहरीले सांप ने डंस लिया जिससे युवती की मौत हो गई। मृतका ग्रामीण ललन प्रसाद साह की 23 वर्षीय पुत्री सिमरन कुमारी बताई गयी है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार की रात में युवती अपने कमरे में सोई थी। तभी रात के दो बजे एक जहरीले सांप ने डंस लिया, जिसके बाद आनन-फानन में युवती को हाजीपुर इलाज के लिए ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर पहुंची दिघवारा थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया।

आपसी रंजिश में हुई चाकूबाजी, घायल

पूर्णिया, एजेंसी। आपसी रंजिश में हुई चाकूबाजी में एक युवक घायल हो गया। घटना सहायक खजांची के खीरू चौक की है। आरोप पीड़ित के दो मित्र राजा बाड़ी निवासी आमिश एवं राकिब पर लगा है। मामले में सहायक खजांची थाना के लूट मुहल्ला वासी मो शाबिर ने पुलिस को बताया है कि वह अपनी नानी के यहां रहकर एक कपड़े की दुकान में बतौर कर्मी नौकरी कर रहा है। तीन दिन पूर्व किसी बात को लेकर उनलोगों का आपस में विवाद हो गया था। मौका पाकर खीरू चौक के समीप शाबिर पर दोनों ने हमला कल दिया। जिससे उसकी पीठ में जख्म आया है। सहायक थानाध्यक्ष शशि कुमार गुप्ता ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का छठा दिन

पूर्णिया/हरदा , एजेंसी। के नगर प्रखंड के रहुआ पंचायत के कृष्ण मंदिर के प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का छठा दिन कथा वाचक कन्हैया दास ने कहा भगवान श्रीकृष्ण दोस्ती का धर्म निभाने के लिए सभी से कहते थे। भगवान श्रीकृष्ण अपने प्रिय मित्र सुदामा का कहानी संसार में युगान्तर से प्रसिद्ध है। श्याम सुन्दर, गुरू दा, राजेन्द्र बाबा ने अपने भजन से भक्ति मय कर दिया। भजन गीतों से सभी श्रद्धालु झूम उठे। श्रीमद् भागवत कथा से चारों ओर राधे राधे, भगवान श्रीकृष्ण का जय जयकार हो रहा है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी युवकों एवं ग्रामीणों भरपूर सहयोग दिया जा रहा है।

विधायक ने प्रबंध समिति के साथ किया बैठक

भागलपुर/गोराडीह , एजेंसी। जगदीशपुर प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय बलुआचक पुरैनी में गुरुवार को प्रबंध समिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता नाथनगर विधायक अली अशरफ सिद्दीकी ने की। बैठक में विद्यालय की समस्याओं और विकास पर चर्चा की गई। जिसमें मुख्य रूप से विधायक को विद्यालय में नामांकन के अनुपात में वर्ग कक्ष नहीं रहने पर पठन पाठन में हो रही कठिनाइयों से अवगत कराया गया। विधायक ने वर्ग कक्ष के निर्माण कराने का अश्वासन दिय। बैठक में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अरविंद कुमार, सदस्य संजय यादव, विमला देवी, शिक्षिका पूजा झा सहित कई लोग मौजूद थे।

1500 करोड़ की लागत से चमकेंगी बिहार की ग्रामीण सड़कें

नीतीश सरकार ने बनाया यह प्लान

पटना, एजेंसी। बिहार की क्षतिग्रस्त ग्रामीण सड़कें दुरुस्त होंगी। ग्रामीण कार्य विभाग ने इसके लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। फिलहाल विभाग 8332 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों को बेहतर बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इन्हें एक साल के अंदर चकाचक बनाया जाएगा। विभिन्न चरणों में इन्हें दुरुस्त किया जाएगा। इसके पहले 1668 किलोमीटर पर काम जारी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर जर्जर ग्रामीण सड़कों की मरम्मत को लेकर विभाग ने कार्य योजना बनायी है। पहले से बन चुकी सारी ग्रामीण सड़कों की जांच के बाद उनकी सूची तैयार की गयी। इन्हें मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत दुरुस्त करना है। विभाग ने व्यापक सर्वे के बाद 10 हजार किलोमीटर का चयन इस योजना के तहत किया है। विभाग के अनुसार अत्यंत क्षतिग्रस्त, क्षतिग्रस्त वैसे

पथ जिनकी निरूपण अवधि (जीवन काल) पूर्ण हो चुकी है या उसके पहले ही क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, उन्हें दुरुस्त करने के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना लागू की गयी है। इस योजना में सड़कों का पुनर्निर्माण और सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ उनके चौड़ीकरण की भी योजना शामिल की गयी है। लेकिन प्राथमिकता जर्जर सड़कों को दुरुस्त करना है। गत वर्ष 500 करोड़ का बजटीय प्रावधान किया गया था। साथ ही 1668 किलोमीटर सड़कों को तत्काल बेहतर बनाने की योजना स्वीकृत की गयी। अब लगभग 1500 करोड़ की योजना से 403 पथों को बेहतर बनाने पर काम जारी है। विभाग इन जर्जर सड़कों का उन्नयन करने के साथ-साथ अन्य जर्जर ग्रामीण सड़कों की भी पहचान करेगा। इसके लिए सभी जिलों में अभियान चलाकर ऐसी सड़कों की सूची बनायी जाएगी।

क्या कहते हैं अधिकारी?

ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह का कहना है कि ग्रामीण सड़कों को लेकर सरकार बेहद गंभीर है। हम नयी सड़कों को बनाने के साथ ही जर्जर सड़कों को दुरुस्त करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं। ग्रामीण सड़कों का मेन्टेनेंस हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

नयी सड़कों के निर्माण का भी चल रहा काम

सूबे में नयी ग्रामीण सड़कों का निर्माण कार्य भी जारी है। दरअसल, एक लाख 29 हजार 290 बसावटों को संपर्कता प्रदान करने का लक्ष्य था। इसके लिए एक लाख 29 हजार 156 किमी सड़कों का निर्माण किया जाना है। अब तक विभाग द्वारा एक लाख 18 हजार 458 बसावटों को एकल संपर्कता प्रदान कर दी गयी है। इसके लिए 115228 किमी सड़कें बनायी गयी हैं। इन सड़कों के निर्माण के बाद 10 हजार 832 बसावटों को सड़क संपर्कता से जोड़ने की योजना पर काम शुरू किया गया है। इसके लिए 13 हजार 928 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है।

कोयला गांव में सड़क और जलजमाव की समस्या होगी दूर

भागलपुर/गोराडीह, एजेंसी। प्रखंड के अगरपुर-माछीपुर पंचायत के कोयला गांव में गुरुवार को बीडीओ प्रभात केसरी ने ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। जिसमें सड़क, नाला और पेयजल की मांग पर संज्ञान लिया गया। लोकसभा चुनाव के दौरान वहां के ग्रामीणों ने सड़क और अन्य सुविधाओं की मांग करते हुए वोट का बहिष्कार की चेतावनी दी थी जिसके बाद बीडीओ ने चुनाव के बाद गांव की समस्या दूर करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद ग्रामीणों ने वोट डाला था। गुरुवार को बैठक में ग्रामीणों ने बीडीओ से आग्रह किया कि गोराडीह जाने वाली मुख्य सड़क से गांव तक सड़क की स्थिति जर्जर है। जिससे गांव में पानी जमा हो जाता है। लोगों को घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है। बीडीओ ने आश्वासन दिया कि सड़क के ग्रामीण कार्य विभाग को पत्र लिखा जाएगा। साथ ही गांव के नाले की भी मरम्मत की जाएगी। मौके पर पंचायत समिति सदस्य चंदन कुमार राय, सरपंच प्रतिनिधि मिथिलेश सिंह, मंटू पासवान, दोधो यादव, दिवाकर पासवान सहित कई लोग मौजूद थे।

बालू माफियाओं पर खनन विभाग की कार्रवाई, 9 वाहन जब्त

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली के लालगंज में बालू माफियाओं पर नकेल कसने को लेकर खनन विभाग सख्त कार्रवाई की है। विभाग की इस कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है। लालगंज पुलिस, परिवहन विभाग और खनन विभाग ने वैशाली जिला पदाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर संयुक्त रूप से छापेमारी करते हुए 9 वाहन को जब्त किया है जिस पर बालू लोड था। सभी जब्त गाड़ियों के कागजात एवं वजन की जांच पड़ताल की जा रही है।

अंडरलोड लोड था बालू : जब्त वाहन के मालिक ने बताया कि हम लोगों के वाहन में अंडरलोड बालू लोड किया गया है। जिसका पुख्ता कागजात भी हम लोगों के पास है। फिर भी जांच पड़ताल के नाम पर प्रशासन वाहनों को जब्त कर ली है जिसके कारण हम लोगों को काफी परेशानी हो रही है। बता दें की बालू लाने ले जाने के लिए सरकार के द्वारा चलान दिया जाता है। जिसका एक तय समय सीमा होता है और जांच में इतना विलंब हो रहा है कि अगर वह समय सीमा खत्म हो जाएगी तो हम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

9 वाहनों को किया गया जब्त : जिला परिवहन पदाधिकारी वैशाली के द्वारा बताया गया कि 4 हाइवा 3 ट्रक 2 टीपर जब्त किया गया है। जिसके चलान की मिलान किया जा रहा है। जांचों उपरान्त कारवाई की जाएगी।

मुजफ्फरपुर में साइबर थाने में की महिला दारोगा ने की खुदकुशी

जहर खाकर बॉयफ्रेंड को किया था कॉल

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर में पुलिस डिपार्मेंट में उस समय सनसनी फैल गयी जब एक महिला दारोगा ने खुदकुशी कर ली। जहर खाने के बाद उसने अपने बॉयफ्रेंड सिपाही को फोन किया। लेकिन जबतक कोई कुछ कर पता तबतक वह दम तोड़ चुकी थी। साइबर थाना में तैनात 2020 बैच की प्रशिक्षु दारोगा दीपिका कुमारी (28) ने निजी आवास में जहर खाकर जान दे दी। वह पटना के श्रीकृष्णानगर की रहने वाली थी। ट्रेनिंग के बाद बीते 21 जून को उसकी साइबर थाना में पोस्टिंग हुई थी। घटना गुरुवार की है। दारोगा दीपिका कुमारी ने मिठनपुरा थाना के लक्ष्मीनारायण नगर मोहल्ला में अपने किराए के आवास में सुबह सात बजे उसने जहर खाया। इसके बाद पुरुष मित्र जेल में तैनात सिपाही रोहित सिंह को कॉल करके सूचना दी। रोहित ने पटना में रह रहे दीपिका के परिवार वालों को इसकी सूचना दी। इसके बाद मिठनपुरा पुलिस के साथ दीपिका के आवास पहुंच उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद उसके माता-पिता और भाई पहुंचे। जहर खाने से एक घंटा पहले दीपिका ने मां संगीता देवी से मोबाइल पर बात की थी। मां ने बताया कि वह डिप्रेशन में लग रही थी। सिटी एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि छानबीन से स्पष्ट है कि निजी मामले की वजह से जहर खाया है या मामला कुछ और है। उसके मोबाइल जांच के लिए रखा गया है। पुलिस का कहना है कि मोबाइल से कई जानकारी मिल सकती है। पिता राजनंदन प्रसाद का बयान दर्ज किया है।

पिता ऑटो चलाते हैं

पिता दारोगा के पिता राजनंदन प्रसाद पटना में ऑटो चलाते हैं। बेटी के दारोगा बनने से वह काफी खुश थे। उन्हें बेटी से काफी उम्मीदें थीं। बेटी की शादी की तैयारी कर रहे थे। दीपिका चार बहन व एक भाई में तीसरे नंबर पर थी। सबसे बड़ी शिक्षिका है। दीपिका से बड़ी बहन गृह विभाग दिल्ली में स्टेनो के पद पर कार्यरत है। इससे छोटी बहन झारखंड मिलिट्री पुलिस में थी। उसने दो साल पहले रिजाइन कर दिया था। छोटा भाई सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहा है। दीपिका कहती थी सचिवालय में नौकरी के बाद ही शादी करेगी।

दारोगा बनने से पहले जेल में थी सिपाही

दारोगा बनने से पहले दीपिका जेल में सिपाही थी। वह मुजफ्फरपुर स्थित शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा, रोसड़ा जेल और हाजीपुर जेल में सिपाही के रूप में ड्यूटी कर चुकी थी। शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में तैनात रोहित के साथ वह हाजीपुर जेल में भी ड्यूटी की थी। उस दौरान ही उनकी मित्रता हुई थी। रोहित उसके परिवार से

काफी करीब है।

सचिवालय में नौकरी करना चाहती थी दीपिका

दीपिका के पिता ने बताया कि जब उनकी छोटी बेटी झारखंड मिलिट्री पुलिस ने रिजाइन करके आई तो उन्होंने उसकी शादी कर दी। वह अभी अपने परिवार के साथ रह रही है। बताया कि दीपिका को शादी के लिए बोलते थे तो वह कहती थी कि वह सचिवालय में नौकरी की तैयारी कर रही है।

पति की प्रेमिका ने पत्नी की जहर देकर कराई हत्या, 3 गिरफ्तार

पैन किलर के कैप्सूल में मिलाई सल्फास, साथ रहने का बना रही थी दबाव

गया, एजेंसी। गया में पति ने अपनी प्रेमिका के साथ मिलकर पत्नी की हत्या कर दी। वारदात मुफस्सिल थाना क्षेत्र की है। आरोपी पति ने बताया कि उसका उसकी प्रेमिका से 8 साल से प्रेम संबंध था। कोर्ट में शादी भी कर ली थी, उससे एक बच्चा भी था। इधर, प्रेमिका ने उसे पत्नी को छोड़ने का दबाव डाला। महिला नहीं मानी तो मारने का प्लान किया। सिग्नोफ्लैक्स नाम के पैन किलर कैप्सूल में सल्फास मिलाकर पत्नी को खिलाया जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा करते हुए पति, प्रेमिका और एक झोलाछाप डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि प्रेमिका के कहने पर डॉक्टर ने महिला को कैप्सूल के अंदर जहर दिया था। पति ने उसे दवा बताकर पत्नी को खिला दिया जिससे उसकी जान चली गई। मृतक की पहचान पूजा के रूप में हुई थी। पहले मामला खुदकुशी का बताया गया था। आरोपी विक्की, पूनम और डॉक्टर ओमप्रकाश से पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ।

वजीरगंज एसडीपीओ सुनील कुमार पांडेय ने बताया कि झोलाछाप डॉक्टर ने पूनम से इस काम के लिए 50 हजार में सौदा तय किया था। 50 हजार रुपए काम हो जाने के बाद पूनम को देने थे। एडवांस में एक हजार रुपए मिले थे।

प्रेमिका से भी एक बच्चा

उसने पुलिस को बताया कि जनकपुर की रहने वाली पूनम से 8 सालों से उसका प्रेम सम्बन्ध चल रहा है। हम लोगों ने नोटरी से शादी के कागजात भी तैयार कराए थे। बताया कि पूनम से एक बच्चा भी है। इधर, बीते कुछ दिनों से पूनम साथ रहने का लगातार दबाव बना रही थी, लेकिन पूजा इस बात को लेकर तैयार नहीं हो रही थी। इस बात को लेकर दोनों के बीच रोज लड़ाई हो रही थी। पूनम ने पूजा को रास्ते से हटाने के लिए प्लान तैयार किया। पूनम ने अपने परिचित झोलाछाप डॉक्टर से मिलकर सिग्नोफ्लैक्स के 4 कैप्सूल में सल्फास मिलवा कर लाई। पूजा को खिलाने को कहा। पूजा को दवा के नाम पर झांसे में लेकर उसे जहर देकर मार दिया। एसडीपीओ सुनील कुमार ने बताया कि हत्या कांड का खुलासा करने वाली टीम को पुरस्कृत करने के लिए संस्तुति की गई है।

भाई ने हत्या का लगाया था आरोप

सुनील कुमार पांडे बताया कि बुधवार को एक महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला प्रकाश में आया था। शव का पोस्टमार्टम भी कराया गया था। इस बीच पूजा के भाई राजा कुमार ने थाने में बताया कि उसकी बहन की हत्या जहर देकर की गई है। हत्या किसी और ने नहीं बल्कि पति विक्की और उसकी प्रेमिका पूनम ने की है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की तो मामला संदेहास्पद प्रतीत हुआ। पुलिस ने विक्की को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो खुलासा हो गया।

अब गंगा नदी में ले सकेंगे वाटर स्पोर्ट्स का मजा

घाटों पर मिलेंगी जिम, फुड कोर्ट, योगा सेंटर जैसी कई सुविधाएं

पटना, एजेंसी। गंगा नदी में जल्द ही वाटर स्पोर्ट्स की शुरुआत होगी। साथ ही गंगा तट पर जिम, योगा सेंटर, फूड कोर्ट, पार्क बनाकर पर्यटक स्थल के तौर पर इसे विकसित किया जाएगा। इसके लिए डीएम सह जिला गंगा समिति के अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने पर्यटन विभाग के पदाधिकारियों को योजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

गुरुवार को वे डीम कार्यालय में जिला गंगा समिति की बैठक में गंगा से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में पर्यटन, मत्स्य, जीविका, कृषि, वन समेत कई विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे। डीएम ने गंगा व सहायक नदियों के उत्थान, संरक्षण एवं अविरलता के लिए विभागों और स्टेकहोल्डर्स को सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहने के निर्देश दिए। कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत अर्थ गंगा कार्यक्रम को धरातल पर लाने की आवश्यकता है।

इसके लिए सभी विभागों के पदाधिकारियों को अपनी-अपनी योजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन करना होगा। बैठक में डीडीसी तनय सुल्तानिया द्वारा एजेंडावार प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। डीएम द्वारा वन, बुडको, कृषि, पर्यटन, नगर निकाय, ग्रामीण विकास, नेहरू युवा केन्द्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, जीविका सहित विभिन्न विभागों के जिला-स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा की गई।

डीएम ने कहा कि गंगा के किनारे ईको टूरिज्म को प्रोत्साहित करना, पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण, सतत विकास एवं आम जनता के जीविकोपार्जन के अवसरों में वृद्धि के लिए समिति से संबद्ध सभी विभागों के पदाधिकारियों को आपस में समन्वय स्थापित कर सतत प्रयत्नशील रहना होगा। जिला गंगा समिति अंतर्गत सभी पांच स्तम्भों निर्मल गंगा, अविरल गंगा, जन गंगा, ज्ञान गंगा एवं अर्थ गंगा के तहत दायित्वों का अक्षरश पालन करने का निर्देश दिया गया।

सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को शीघ्र पूर्ण करने का आदेश

बुडको को सभी निर्माणाधीन, पूर्ण और अपूर्ण सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को शीघ्र पूरा करने के लिए कहा गया। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद की ओर से गंगा नदी के जल की गुणवत्ता में सुधार के आंकड़ों का प्रेषण, वन विभाग द्वारा आर्द्र भूमि संरक्षण, वनीकरण एवं जैव विविधता संरक्षण में किए जा रहे सभी कार्यों का उत्कृष्ट क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया गया।

इसके साथ ही जन गंगा कार्यक्रम अंतर्गत जन-जागरूकता, प्रभात फेरी, रैली, गंगा मैराथन, गंगा क्वीज, दीवार लेखन, नारा प्रतियोगिता, कैच द रेन (वर्षा जल संग्रहण), गंगा आरती का नियमित आयोजन कराने को कहा गया है।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

जिला पार्षद सुरेश यादव हत्याकांड का 48 घंटे में हुआ खुलासा

हथियार सहित दो गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी पुलिस ने महज 48 घंटे के अंदर बंजरिया के जिला पार्षद सुरेश यादव हत्या कांड का खुलासा कर दिया है। एसपी कान्तेश मिश्रा के द्वारा गठित एसआईटी में शामिल पुलिस पदाधिकारियों ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर भाड़े के दो अपराधियों को हथियार के साथ शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने ये भी खुलासा किया है कि 10 लाख रुपए में भाड़े के अपराधियों से सुरेश यादव की हत्या कराई गई है। अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जिले के एसपी कान्तेश कुमार मिश्रा ने बताया कि जिला पार्षद सदस्य सुरेश यादव की हत्या के लिए दिलरंजन दुबे के द्वारा भाड़े के अपराधियों को दस लाख रुपए की सुपारी दी गई थी। हत्या की सुपारी लेने के बाद अपराधियों ने दिनदहाड़े शहर के चांदमारी चौक पर सुरेश यादव की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गये।

घटना के बाद अपराधियों का मोबाईल घटना स्थल पर ही गिर गया था जो पुलिस के लिए अहम् सुराग साबित हुआ अपराधियों की पहचान भी सीसीटीवी के माध्यम से कर ली गई थी जिसके बाद पुलिस को इतनी बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में पुलिस ने जिले के सुगौली से हरिशकंर पासवान और रघुनाथपुर से सुदामा सहनी को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है। हलांकि इस हत्या का मूल कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस का दावा है कि इस हत्याकांड में शामिल अन्य अपराधियो की भी पहचान कर ली गई है। फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार छपेमारी कर रही है।

जनता दरबार में 52 आवेदनकर्ताओं की सुनी गयी समस्याएं

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर के विभिन्न प्रखंडों से आए 52 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए अपर समाहर्ता ने कहा कि जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से कारवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। यहां स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, पंचायती राज विभाग, भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसका शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा-सह - विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जल जीवन हरियाली मिशन की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को जल जीवन हरियाली मिशन की समीक्षात्मक बैठक नगर के समाहरणालय परिसर स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में की गई जिसमें सभी अंचलाधिकारी एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी उपस्थित थे। इस समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी के द्वारा उपस्थित सभी अंचल अधिकारियों को सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं यथा- तालाब, पोखर, आहार, पइन, कुआं आदि को शत-प्रतिशत अतिक्रमण मुक्त करने का निर्देश दिया गया। सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप सार्वजनिक कुओं का जीर्णोद्धार एवं सोखता निर्माण कार्य को पूर्ण करने एवं संबंधित पोर्टल पर इसका प्रगति प्रतिवेदन अपलोड करने का निर्देश दिया गया। उक्त समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी के साथ उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी, निदेशक डीआरडीए तथा जिला मिशन प्रबंधक उपस्थित रहे।

नेपाल पुलिस ने हवाला के रुपये के साथ एक भारतीय नागरिक को किया गिरफ्तार

बीएनएम। पूर्वी चंपारण। जिला से सटे नेपाल के पर्सा जिला के वीरगंज पुलिस ने हवाला के रुपये के साथ एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार भारतीय नागरिक पश्चिम चंपारण के इनरवा बाजार के 32 वर्षीय सीताराम प्रसाद कुशवाहा है। शुक्रवार को इसकी पुष्टि करते हुए नेपाल के वीरगंज पुलिस उपनिरीक्षक दीपक भारती ने बताया कि सीताराम प्रसाद के पास से पांच लाख 50 हजार रुपये जांच के दौरान बरामद किए गए है। वही साथ मे एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। उन्होंने बताया कि हमे गुप्त सूचना मिली थी कि भारतीय क्षेत्र से नेपाल में हवाला का रुपये आने वाली है जिसके बाद नेपाल के पर्सा जिला के जगरनाथपुर गांव के पास वाहन जांच तेज कर दी गई। भारतीय क्षेत्र से आ रहे मोटरसाइकिल को रोक कर बैग की जांच की गई तो बैग में नेपाली पांच लाख पच्चास हजार रुपये बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी से पैसे के बारे में पूछा गया तो इसका कोई जवाब नही दे सका। जिसके बाद कागजी करवाई कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

जिहुली मुखिया विकास सिंह बने भाजपा के जिला मंत्री

बीएनएम। पूर्वी चंपारण। जिले के पताही प्रखंड के जिहुली पंचायत के मुखिया विकास कुमार उर्फ निक्कू सिंह को भाजपा का जिला मंत्री बनाया गया है। जिला मंत्री का दायित्व भाजपा संगठन जिला ढाका के जिला अध्यक्ष राजेश तिवारी ने पत्र जारी कर सौंपा है। मुखिया सिंह को पिछले वर्ष भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने सदस्यता ग्रहण कराई थी। सदस्यता ग्रहण करने के बाद पार्टी में मजबूती से कार्य कर रहे थे। अब इन्हें भाजपा संगठन की ओर से संगठन मजबूत करने के लिए जिला मंत्री का बड़ी जिम्मेदारी सौंप गई है। इन्हें जिला मंत्री बनने पर चिरैया विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता, ढाका विधायक पवन जायसवाल, मधुबन विधायक राणा रणधीर सिंह, शिवहर के पूर्व सांसद रमा देवी, मोतिहारी सांसद राधा मोहन सिंह,मोतिहारी विधायक प्रमोद कुमार, पूर्व विधायक सचिन्द्र सिंह सहित भाजपा के सैकड़ो कार्यकर्ता ने बधाई दिया है।

ट्रेन की चपेट में आने युवक की मौत, शव को पुलिस ने किया पहचान

बीएनएम। मोतिहारी

नरकटियागंज - दरभंगा रेल मार्ग के आदापुर रेलवे स्टेशन पर सवारी गाड़ी की चपेट में आने जख्मी युवक की मौत के मामले में जीआरपी पुलिस ने उक्त युवक की पहचान कर लिया है। युवक के शव को परिजन के हवाले कर दिया है। युक्त युवक सीतामढ़ी रक्सौल डेमू सवारी गाड़ी से उक्त स्टेशन पर उतरने के दौरान अनियंत्रित हो गया। इससे युवक ट्रेन के चपेट में आने से दोनो पैर कट गया था।लेकिन युवक का सही समय पर उपचार नही होने से खून का अधिक रिसाव हो गया था। इससे से युवक की मौत घटना स्थल पर हो गई थी। घटना स्थल पर जीआरपी के पहुंचने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया था। युवक के शव को पुलिस ने देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से उठकर ले गई। जीआरपी थाना रक्सौल के थानाध्यक्ष ने बताया की युवक की पहचान रक्सौल थाना क्षेत्र के जोकियारी गांव निवासी राजू कुमार के रूप में पहचान किया गया है। घटना गुरुवार की बताई जा रही है।

नव विवाहित दंपतियों को मिली "खुशियों की पोटली"

- पोटली में है गर्भ निरोधक सामग्री व दैनिक उपयोग के सामान
- बढ़ती जनसंख्या पर रोक के लिए पुरुषों को जागरूक किया जाना है जरूरी

बीएनएम। मोतिहारी

परिवार नियोजन पखवाड़े के अंतर्गत जनप्रतिनिधि मुखिया सीता देवी के सहयोग से नव विवाहित महिलाओं के बीच परिवार नियोजन किट "खुशियों की पोटली" का वितरण किया गया। इस दौरान सास को भी बहुओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखने, शादी के बाद पहला बच्चा दो साल के बाद होने एवं पहले और दूसरे बच्चे के बीच का अंतराल कम से कम तीन साल रखने, मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के साथ ही कई अन्य महत्वपूर्ण बातें भी बताई गईं।

स्वास्थ्य विभाग एवं सी3 संस्था के सहयोग से जिले के मोतिहारी सदर प्रखंड के उत्तरी ढेकहां पंचायत में शुक्रवार को आरोग्य दिवस के दौरान यह आयोजन हुआ। सदर प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक संध्या कुमारी ने बताया कि नव विवाहित दंपतियों को "खुशियों की पोटली" की सौगात दी गईं है। इस किट में कंघी, आइना, तौलिया, फोटो फ्रेम, माला, छाया, मैरेज रजिस्ट्रेशन फॉर्म, परिवार नियोजन लीफलेट आदि के साथ साथ गर्भ निरोधक साधन में कंडोम, दैनिक-साप्ताहिक व आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियां दी गईं है। उन्होंने बताया कि लगातार बढ़ती जनसंख्या पर रोक हेतु परिवार नियोजन साधनों का उपयोग जरूरी है, इसलिए महिलाओं के साथ पुरुषों को भी जागरूक किया जाना जरूरी है।

सी 3 संस्था के डीसी आदित्य कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य सम्बन्धित किसी प्रकार की सलाह हेतु नजदीकी क्षेत्र की आशा और एएनएम के अलावा, स्वास्थ्य केंद्र के साथ ही राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 104 पर भी नवदंपति किसी भी प्रकार की जानकारी कॉल करके प्राप्त कर सकते हैं। परिवार नियोजन के सभी साधन सभी स्वास्थ्य केन्द्रों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित होने वाली ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस /आरोग्य दिवस में निःशुल्क उपलब्ध है। गर्भ जाँच किट गर्भधारण की पुष्टि का एक सरल उपाय है।

गर्भ जाँच किट का उपयोग कैसे करें:-

- मासिक न आने के एक सप्ताह बाद किया जाना चाहिए।
- इसकी जाँच सुबह के पहला मूत्र के साथ अत्यधिक उपर्युक्त है। साफ और सूखे शीशी/प्लास्टिक के पात्र में मूत्र का संग्रह कर लें।
- गर्भ जांच किट को पैकेट से निकालिए और इसे सीधी सतह पर रखिए।
- किट में उपलब्ध कराए गए ड्रॉपर से दो बूंद मूत्र पट्टी में "s" चिन्हित वृत्त के अंदर डालकर 5 मिनट प्रतीक्षा करें, इसके बाद परिणाम देखें।
- परिणाम यदि सकारात्मक निकले तो तुरंत अपने नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अथवा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयोजित होने वाले ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता दिवस एवं पोषण दिवस पर जाकर अपना प्रसव पूर्व जांच करायें। इस मौके पर आशा प्रियंका कुमारी, अमित कुमारी, आदित्य राज, सारिका कुमारी तथा सी 3 एवं पंचायत के वार्ड सदस्य उपस्थित रहे।

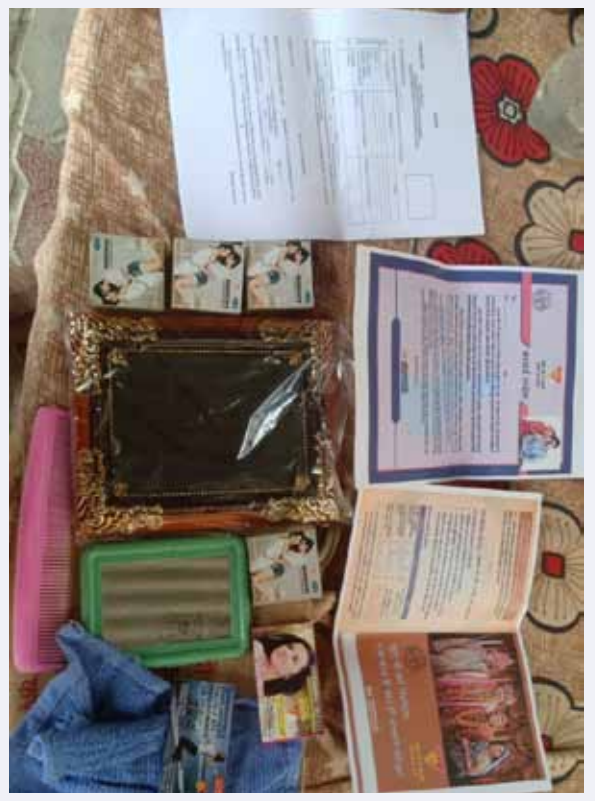

कोचिंग में पढा रहे शिक्षक व छात्राओ को मनचलो ने बेरहमी से पीटा,दर्जनो छात्रा घायल

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले के पहाड़पुर थाना क्षेत्र के उत्तरी नोनेया पंचायत के चौबे टोला पंडितपुर में संचालित एक कोचिंग सेंटर में शुक्रवार की दोपहर में आठ की संख्या में पहुंचे मनचलों ने कोचिंग में आठवें वर्ग के लड़कियों को पढ़ा रहे शिक्षक सोनू कुमार को गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। जिसका विरोध कोचिंग में पढ रही लड़कियो ने किया तो मनचलों ने शिक्षक को छोड़ लड़कियों को बेरहमी से पिटाई कर दी। इसमें में दर्जनों लड़कियां गम्भीर रुप से घायल हो गयी। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल सभी लड़कियों को परिजनों की सहयोग से पहाड़पुर सीएचसी लाया गया जहां सभी का इलाज किया जा रहा है। घायल में करुण कुमार नीमा कुमारी सोनी कुमारी सुमन कुमारी रंजनी कुमारी अंजलि कुमारी प्रीति कुमारी शिल्पी कुमारी सानिया खातुन सहित अन्य शामिल है। सभी घायल लड़कियां पंडितपुर गांव की बताई जा रही है। चिकित्सा प्रभारी डॉ अजहरुद्दीन ने बताया की सानिया खातुन को गम्भीर स्थिति को लेकर सदर अस्पताल मोतिहारी रेफर किया गया है। इस बाबत कोचिंग संचालक सोनू कुमार ने बताया की गत कई दिनों से संजय कुमार यादव उर्फ मंटू यादव,भोला यादव,अजय यादव सभी पिता जोका यादव आस कुमार पिता विश्वनाथ यादव कोचिंग के छुट्टी के बाद दसवीं वर्ग की लड़कियों को रास्ते में छेड़छाड़ करते थे। जिसका विरोध मैंने किया।जब मैं विरोध किया तो उपरोक्त मनचलों के द्वारा मारपीट करने का धमकी दिया गया। शुक्रवार को उपरोक्त मनचलो जिनकी संख्या करीब आठ थी,आकर मारपीट करने लगे। जिसमें विरोध कर रही कोचिंग में पढ रही लड़कियों ने किया,तो इनलेगो ने लड़कियो के साथ भी बेरहमी से मारपीट कर घायल कर दिया। मामले पुलिस एक महिला को हिरासत में लिया है,वही गिरफ्तार कर मनचलों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष अम्बेश कुमार ने बताया की जल्द हीं सभी की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। वही इस घटना की पहाड़पुर के कई शिक्षाविद व सामाजिक संगठनों ने निंदा की हैं।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

मानिकपुर के पूर्व सरपंच के घर पर छापेमारी, भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद

- पुलिस ने पूर्व सरपंच के भतीजा व पुत्र को किया गिरफ्तार
- शराब ढोने वाला कार भी हुआ बरामद
- तस्वीर मानिकपुर में छापेमारी में पकड़े गए शराब कारोबारी व शराब

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के मानिकपुर हसूआहा पंचायत के लालगंज स्थित पूर्व सरपंच राजेश साह के घर पर अहले सुबह पुलिस ने छापेमारी की। जहां से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद हुआ है। पुलिस दो शराब कारोबारी को पकड़ा है। पकड़ा गया शराब कारोबारी पूर्व सरपंच राजेश का पुत्र गोलू कुमार व भतीजा आकाश कुमार शामिल है। पुलिस ने एक कार भी बरामद किया है, जिससे शराब की खेप आई हुई थी। जिसपर पटना का नंबर अंकित है। थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि गुप्त सूचना पर लालगंज में छापेमारी की गई। जहां पूर्व सरपंच के घर एक कार से दो युवक शराब की पेटिया उतार रहे थे। जिसे पकड़ लिया गया। दोनो उनके पुत्र व भतीजा है। गाड़ी से 25 कार्टून शराब बरामद हुआ। वही पकड़े गए शराब कारोबारी के निशानदेही पर घर में रखे 25 कार्टून शराब को भी पुलिस बरामद की। उक्त शराब यूपी से गाड़ी से कारोबारी लाए थे। कारोबार में और लोग के शामिल होने की चर्चा है। थानाध्यक्ष ने बताया की एफआईआर दर्ज कर पकड़े गए दोनो कारोबारी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मालगाड़ी से गेहूं चोरी मामले में आरपीएफ ने दो चोर को गिरफ्तार किया

बीएनएम। सहरसा

सहरसा-मानसी रेलखंड पर विगत 20 अप्रैल को कोपरिया स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी ट्रेन से गेहूं चोरी मामले में आरपीएफ ने फरार चल रहे दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों की पहचान हरे राम यादव गांव नवटोलिया सलखुआ और अनिल सादा मुसहरी डीह टोला सलखुआ का निवासी है। दोनों आरोपियों को आरपीएफ ने मुखबिर की सूचना पर उसके निवास स्थान से गिरफ्तार किया है। जानकारी अनुसार 20 अप्रैल को गेहू से लदी माल ट्रेन कोपरिया स्टेशन पर मेन लाइन पर खरी थी।स्थानीय 7 लोगों ने योजनाबद्ध तरीके से माल ट्रेन से गेहूं चोरी करने की योजना बनाया। इसके बाद माल ट्रेन से कुल 11 बोरा गेहूं चोरी कर झाड़ी में छुपा दिया गया।जिसकी सूचना मिलते ही आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। आरपीएफ को देखते ही सभी आरोपी भागने लगे।इनमें से एक आरोपी कुंदन कुमार को सबसे पहले आरपीएफ ने पकड़ लिया। जबकि अन्य सभी आरोपी भागने में सफल हो गए। इस दौरान चोरी की गई 11 बोरा गेहूं भी आरपीएफ ने बरामद किया था। वहीं छह आरोपियों की धर पकड़ के लिए आरपीएफ ने मुखबिर लगा दी थी। इसके बाद दो अन्य आरोपी की गिरफ्तारी हुई थी।वही आरपीएफ में छापामारी कर अन्य दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। अन्य दो फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

संक्षिप्त समाचार

सेमरा भूमिहारी टोला मंदिर के समीप गड्डें में बच्चा डूबा, मौत

बच्चे के मौत पर घर में मचा है चीख पुकार

बीएनएम। तुरकौलिया। थाना क्षेत्र के सेमरा भूमिहारी टोला गांव में शुक्रवार को पानी से भरे गड्ढे में डूबने से एक पांच वर्षीय बच्चा की मौत हो गई। मृतक बच्चा गांव के ही हीरालाल भगत का पुत्र राजकुमार था। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को बरामद कर पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौप दिया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि राजकुमार अपने जुड़वा भाई के साथ दरवाजे पर खेल रहा था। इसी दौरान वह अपने भाई से अलग हो बगल में स्थित मंदिर के पास चला गया। जिसके बगल में पानी से भरा एक गड्ढा था। उसी में वह गिर गया। हालाकि किसी ने बच्चे को गड्ढे में गिरते नही देखा है। जब घर में राजकुमार के जुड़वा भाई लक्ष्मण अकेले गया तो उसकी मां रीमा देवी देखकर घर से बाहर निकल कर खोजबीन करने लगी। इसी दौरान गांव के किसी व्यक्ति की नजर पानी से भरे गड्ढे में उपलाती राजकुमार के शव पर गई। शव को बाहर निकाला गया। राजकुमार की मौत हो चुकी थी। उसकी मां गोद में लक्ष्मण को लेकर रो रो कर बेहाल है। बस यहीं रट लगाए हुए है कि अब मेरा राम नही आयेगा। उसे मेरे लक्ष्मण से अलग कर दिया। हे भगवान कौन गलती के सजा देलाह...। ग्रामीण महिलाएं उसे ढाढस बांधने में जुटी है। इंस्पेक्टर सुरेश प्रसाद यादव ने बताया कि शव पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौप दिया गया है।

अपशिष्ट इकाई भवन का उद्घाटन

बीएनएम। चनपटिया। प्रखंड क्षेत्र के मुसहरी सेनवरिया पंचायत के वार्ड संख्या 10 में शुक्रवार को लोहिया स्वच्छता बिहार अभियान के तहत निर्माण अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई भवन का उद्घाटन उप मुखिया सह प्रभारी मुखिया सुनील यादव, चनपटिया प्रखंड बीसीओ मुकेश झा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। जिसको लेकर ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। वही मौके पर स्वच्छताग्रही सहित सैकड़ो की संख्या में लोग रहे। इस मौके पर मुखिया सुनील यादव कुन्दन कुमार सिंह, हेमंत कुमार बारी, मुकेश कुमार, रामेश्वर राम, महादेव राम, सत्रोहन राम, सफीक अंसारी, रामबाबू पटेल, सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

सेमरा में शराब के नशे में पकड़ाया शराबी

बीएनएम। तुरकौलिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत सेमरा एनएच 28 पर शराब के नशे में हल्ला कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ा है। पकड़ा गया व्यक्ति सेमरा पाठक टोला के वीरेंद्र पाठक का पुत्र लव कुश कुमार पाठक है। मामले में दारोगा रामप्रवेश सिंह ने पकड़े गए शराबी की मेडिकल जांच के बाद एफआईआर दर्ज कराया। थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी पूजा विश्वास ने बताया कि पकड़े गए शराबी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पेपर लीक मामले में दोषियों को गिरफ्तार करे सरकार - चक्रपाणि

बीएनएम। भागलपुर। बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर चक्रपाणि हिमांशु ने शुक्रवार को कहा कि कोटा में नीट की तैयारी करने वाले भागलपुर के छात्र ऋषित कुमार अग्रवाल ने डिप्रेशन के कारण आत्महत्या कर लिया। उनके प्रति शोक व्यक्त करते हुए परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। छात्र खुदकुशी नहीं करें संयम से काम लें। हिमांशु ने कहा कि नीट, नेट, शिक्षक भर्ती, सिपाही बहाली एवं अन्य प्रतियोगिता परीक्षा पेपर लीक होना छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। मेधावी छात्र पढ़ने में व्यस्त रहते हैं। लेकिन पैसे वाले छात्र जो मेधावी नहीं हैं। पैसे के बल पर जुगाड़ लगाकर पास कर जाते हैं। मेधावी छात्र फेल कर जाते हैं। पेपर लीक होने से सैकड़ों छात्र ने आत्महत्या कर लिया। पेपर लीक होना सरकार की असफलता है। केंद्र एवं राज्य सरकार को नीट पेपर लीक होने का प्रमाण मिल चुका है। इस परीक्षा को रद्द कर देना चाहिए। दोषी व्यक्ति पर प्राथमिकी दर्ज कर स्पीडी ट्रायल चलाकर उसे कड़ी से कड़ी दिलाना चाहिए। ताकि बार बार होने वाले पेपर लीक पर लग सके।

बिहार के मधुबनी जिले में गिरा निर्माणाधीन पुल का गर्डर

बीएनएम। पटना

बिहार में पुल गिरने का सिलसिला रुक नहीं रहा है। अररिया, सीवान, मोतिहारी और किशनगंज में पुल गिरने के बाद शुक्रवार को मधुबनी जिले में निर्माणाधीन पुल का गर्डर गिर गया। घटना मधुबनी जिले के मधूपुर प्रखंड में हुई है, जहां भूतही बालन नदी पर इस पुल का निर्माण किया जा रहा था। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि गर्डर के लिए जो सेंट्रिंग बनाया गया था वो पानी के तेज बहाव में बह गया। दरअसल मधेपुर प्रखंड के भूतही बालन नदी में अचानक नदी का जलस्तर बढ़ने से गर्डर के लिए जो सेंट्रिंग बनाया गया था वही पानी के तेज बहाव में बह गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस पुल को पिछले चार-पांच साल से बनाया जा रहा है। पुल बनने से लोगों को उम्मीद थी कि उनके क्षेत्र में विकास कार्य में तेजी आएगी लेकिन उससे पहले ही पुल ध्वस्त हो गया है। बिहार में पिछले दस दिनों में पुल गिरने की यह चोथी घटना है। किशनगंज में 70 मीटर लंबे पुल का पिलर अचानक ढह गया था। 18 जून को अररिया के सिकटी में बकरा नदी पर 12 करोड़ का एक पुल गिर गया था, जिसके 4 दिन बाद 22 जून को सिवान में दरौंदा और महाराजगंज ब्लॉक को जोड़ने वाली नहर पर बना पुल गिर गया था। पुल गिरने की तीसरी घटना पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में 23 जून को हुई थी। मोतिहारी के घोड़ासहन ब्लॉक में निर्माणाधीन पुल गिर गया था। बिहार के किशनगंज में 70 मीटर लंबे पुल का पिलर अचानक ढह गया।

मझौलिया बाजार चौक से अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई प्रारंभ

पुराने वित्तीय वर्ष का पेंडिंग दाखिल खारिज का अभिलंब करें निष्पादन

बीएनएम। बेतिया

पुराने वित्तीय वर्षो का पेंडिंग दाखिल खारिज का निष्पादन हर हाल मेंअविलंब पूरा करें तथा वर्तमान में ऑनलाइन किया गया। दाखिल खारिज, परिमार्जन, आधार सीडिंग, लोक शिकायत निवारण तथा वरीय अधिकारियों द्वारा पेंडिंग जांच के कार्य में तत्परता लाए। उक्त बातें शनिवार को मझौलिया अंचलाधिकारी राजीव रंजन कुमार ने राजस्व कर्मचारियों की सप्ताहिक की समीक्षा बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि आधार सीडिंग का कार्य में सुधार हुआ है तथा पुराना ऑनलाइन एलपीसी का निष्पादन पूरा कर लिया गया है। पांच पंचायत में महासरकार भवन के लिए चयनित भूमि में गुदरा की भूमि चयनित कर लिया गया है। सिर्फ चार पंचायत का रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। नानोसती में विद्युत उपकेंद्र के लिए चयनित भूमि का रिपोर्ट राजस्व कर्मचारी द्वारा बिगत तीन दिनों के अंदर देने का शख्स हिदायत दिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी राजस्व कर्मचारियों को तीन दिनों के अंदर पेंडिंग कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया गया है।अन्यथा अगले सप्ताह मंगलवार को आयोजित बैठक में लापरवाही बरतने वालों पर शिकंजा कसा जाएगा।

मझौलिया बाजार के भूमि को कराया जाएगा अतिक्रमण मुक्त- उन्होंने बताया कि स्थानीय ग्रामीण की मांग एवं जिला द्वारा आदेश का अनुपालन के साथ मुख्य चौक बाजार एवं इसके अगल-बगल पर बहुत पहले से अतिक्रमण के कारण हो रही जाम की समस्या को देखते हुए राजस्व कर्मचारी रघुनाथ चौधरी तथा राजस्व अमीन से अतिक्रमित भूमि का रिपोर्ट एक सप्ताह के अंदर देने का निर्देश दिया गया है ताकि लोगों को जाम की समस्या से निजात मिल सके। इधर आदेश मिलते ही राजस्व कर्मचारी एवं अंचल अमीन द्वारा प्रखंड मुख्यालय से लेकर चीनी मिल गेट तक अतिक्रमित भूमि की पैमाइश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस बैठक में सभी राजस्व कर्मचारी एवं अंचल कर्मी उपस्थित थें।

साइबर अपराधियों का हब बना पश्चिमी चंपारण का मझौलिया एवं नौतन प्रखंड

बीएनएम। बेतिया

पश्चिम चंपारण जिला का मझौलिया और नौतन थाना क्षेत्र इन दोनों साइबर अपराधियों का हब बनता जा रहा है। साइबर थाना एवं नौतन पुलिस ने तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से एक दर्जन पासबुक, तीन चेक बुक, चार मोबाइल तथा तीन एटीएम कार्ड भी बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधियों में नौतन थाना क्षेत्र के बैद्यनाथ नगर निवासी संदीप कुमार 28 वर्ष पिता महेंद्र प्रसाद पाल, नौतन दुबे निवासी विजय कुमार 25 वर्ष पिता नागेश्वर राम एवं शिव का टोला निवासी नवीन कुमार 24 वर्ष पिता रामविलास महतो शामिल है। पुलिस में तीनों साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसके एक दिन पूर्व राजधानी पटना के कदम कुआं पुलिस ने एक महिला सहित दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से भारी मात्रा में एटीएम कार्ड पासबुक एवं मोबाइल भी बराबर किया है पुलिस ने दोनों का कनेक्शन पाकिस्तान से होने की बात बताई गई है। गिरफ्तार दोनों साइबर अपराधियों द्वारा लाखों रुपए की हेरा फेरी करने का मामला भी प्रकाश में आया है। गिरफ्तार दोनों साइबर अपराधियों में पश्चिमी चंपारण जिला के मझौलिया थाना क्षेत्र के जौकटिया निवासी नेस्ताक आलम एवं पूर्वी चंपारण जिला के नौरंगिया निवासी ईशा कुमारी शामिल है। ईशा कुमारी का संबंध कई अंतर प्रांतीय साइबर ग्रुप से भी सामने आया है। बताते चले की मझौलिया थाना क्षेत्र का जौकटिया ग्राम मैं साइबर आबादियों का एक बहुत बड़ा रैकेट सक्रिय है। पूर्व में बेतिया पुलिस जिला में पदस्थापित तत्कालीन प्रशिक्षु डीएसपी सद्दाम हुसैन ने साइबर अपराधियों का एक बहुत बड़ा रैकेट का पर्दाफाश किया था। जिसमें उन्होंने कई साइबर अपराधियों को गिरफ्तार भी किया था और उनके पास से भारी मात्रा में पासबुक एटीएम कार्ड मोबाइल आदि भी बरामद किया था तथा कोलार रुपए की हेरा फेरी करने का मामला भी उजागर किया था। इतना ही नहीं जो जौकटिया के साइबर अपराधियों के रैकेट के साथ मझौलिया थाने के दो तत्कालीन पुलिस पदाधिकारी की संलिप्तता की बात भी सामने आई थी लेकिन मामला आई गई रह गई और इसका सगन जांच पड़ताल नहीं किया जा सका। जिसके कारण साइबर अपराधियों का खेल बेखौफ जारी है।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

संपादकीय

ब्याज और किस्त चुकाने के लिए लेना पड़ रहा है, कर्ज?

केंद्र सरकार और राज्य सरकारें जुलाई माह में बजट पेश करने जा रही हैं। पिछले कई वर्षों से आम जनता के ऊपर लगातार टैक्स बढ़ाये जा रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों के टैक्स की आय 2017 के बाद से साल दर साल तेजी के साथ बढ़ती चली जा रही है। सरकार के अपने खर्च भी साल दर साल बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। खर्च को पूरा करने के लिए सरकारें कर्ज ले रही हैं। पिछले वर्षों में केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर कर्ज बड़ी तेजी के साथ बढ़ता जा रहा है। विकास योजनाओं के नाम पर केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा बड़े पैमाने पर कर्ज लिया जा रहा है। जनता के ऊपर टैक्स के कारण आर्थिक बोझ बढ़ता चला जा रहा है। गलत आर्थिक नीतियों और अपरिपक्व राजनीतिक निर्णय के कारण सरकारी खजाने का बोझ बढ़ता ही जा रहा है। जिसके कारण आम जनता करों के बोझ से दबकर नाराज है। यह नाराजी 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिली है। भारत में लगातार टैक्स बढ़ता जा रहा है। जीएसटी के रूप में अब गरीबों से भी टैक्स की वसूली बड़े पैमाने पर की जा रही है। जिस तरह से कानून बनाए गए हैं। खुदरा व्यापार में कारपोरेट कंपनियों के आ जाने के कारण, स्थानीय रोजगार और व्यापार का स्थान कॉर्पोरेट कंपनियों के पास पहुंच गया है। डिब्बा बंद और पैक सामान की बिक्री बढ़ गई हैं। इस कारण केंद्र एवं राज्य सरकारों को जीएसटी के रूप में भारी राजस्व मिल रहा है। इसके बाद भी साल दर साल केंद्र एवं राज्य सरकार का कर्ज बढ़ना चिंता का विषय है। अब तो यह हालत होने लगी है, कि कर्ज चुकाने के लिए सरकारों को कर्ज लेना पड़ रहा है। पूर्व केंद्रीय कामर्स मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, जो एक उद्योगपति भी हैं उन्होंने अपने सोशल मीडिया के एक्स अकाउंट पर लिखा है, कि मध्य प्रदेश सरकार वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 88450 करोड़ रुपए का कर्ज लेने जा रही है। मध्य प्रदेश के ऊपर पहले ही 3.50 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कर्ज लिए जाने के बाद मध्य प्रदेश के ऊपर 4.38 लाख करोड़ रुपए का कर्ज हो जाएगा। राज्य सरकार की आय और खर्च के बीच कर्ज चुकाने के लिए ब्याज एवं किस्त चुकाने के लिए राज्य सरकार को कर्ज लेना पड़ेगा। यह स्थिति केवल मध्य प्रदेश की नहीं है। केंद्र सरकार के ऊपर भी कर्ज का बोझ पिछले वर्षों में तीन गुना से ज्यादा बढ़ गया है। यही स्थिति लगभग-लगभग सभी राज्य सरकारों की है। इन दोनों देश में महंगाई अपनी चरम सीमा पर है। केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा पिछले वर्षों में जीएसटी एवं अन्य शुल्क के माध्यम से आम जनता के ऊपर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से टैक्स बढ़ाए जा रहे हैं। जिस तरीके से आम जनता के खर्च बढ़ रहे हैं। उस तुलना में उनकी आय नहीं बढ़ रही है। चुनाव जीतने के लिए लोक-लुभावन योजनाएं केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई हैं। इसके अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर जो निवेश किया जा रहा है, उसके लिए जो कर्ज लिया जा रहा है। इसका फायदा केंद्र एवं राज्य सरकार को आर्थिक दृष्टि से नहीं हो रहा है। जिसके कारण दिनों दिन स्थितियां विकराल होती जा रही हैं। आम जनता जिस तरह टैक्स और महंगाई के बोझ से दबकर कराह रही है, ऐसी स्थिति में टैक्स को बढ़ाना केंद्र एवं राज्य सरकारों के लिए संभव नहीं है। यदि बजट में टैक्स बढ़ाए गए, महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया। ऐसी स्थिति में सरकार की नीतियों के खिलाफ अब जनता सड़कों पर आ सकती है। वर्तमान आर्थिक व्यवस्था में केंद्र एवं राज्य सरकारों की आर्थिक नीतियों और बजट को तैयार करने में ज्यादा जिम्मेदारी से काम करने की जरूरत है। कर्ज लेकर जिस तरह से घी पीने की आदत पिछले एक दशक में पड़ गई है। यह ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाएगी। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने कर्ज की सभी सीमाओं को पार कर दिया है। कर्ज तभी तक मदद करता है, जब आय और व्यय के बीच सामंजस्य बनाकर रखा जाए। कर्ज का बोझ केंद्र एवं राज्य सरकारों पर इतना अधिक हो गया है। ब्याज और किस्त की अदायगी के बाद सरकार को अपने जरूरी खर्च, जिसमें वेतन प्रशासनिक खर्च पर नियंत्रण पाना होगा। आम जनता की योजनाओं और सामुदायिक विकास जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, रोजगार इत्यादि तथा कर्ज अदायगी के लिए खजाने में पर्याप्त धन होना जरूरी है। कर्ज की कथरी ओढ़ कर ज्यादा दिन घी नहीं पिया जा सकता है। केंद्र एवं राज्य सरकारें अपने बजट बनाते समय इस तथ्य का ध्यान जरूर रखें। कर्ज की आदत को छोड़ना पड़ेगा। आय और व्यय के बीच में बेहतर संतुलन बनाना पड़ेगा। जनता के ऊपर पिछले वर्षों में जिस तरह से टैक्स का बोझ बढ़ाया गया है और जिस तरह से तरह-तरह के शुल्क बढ़ाए गए हैं वह उच्चतम स्तर तक पहुंच गए हैं। अब यदि टैक्स और शुल्क बढ़ाया गया तो जनता के बीच से तीव्र प्रतिक्रिया होना तय है।

- सनत जैन

राहुल गांधी का कद भी बढ़ा एवं राजनीतिक कौशल भी

राहुल गांधी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता बन गये हैं, यह उनका पहला संवैधानिक पद है, इससे पहले वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। इस बड़े पद के साथ उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जायेंगी। दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं। लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा। निश्चित ही राहुल गांधी का कद बढ़ा है और अब वे स्वल्प समय में ही कद्दावर नेता की तरह राजनीति करने लगे हैं। राहुल को देशभर में निकाली यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है। राहुल की राजनीति को चमकाने में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' के अलावा मणिपुर से मुंबई तक की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब प्रतिनेता के रूप में उनकी एक नई यात्रा शुरु हो रही है जो उन्हें नई राजनीतिक ऊंचाई दे सकती है।

देश को 10 साल बाद राहुल गांधी के रूप में विपक्ष का नेता मिला है, जो संसदीय राजनीति के लिए एक अच्छी खबर है। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी एवं जनता की आवाज को जोरदार तरीके से उठाने एवं सरकार की नीतियों-योजनाओं पर तीखी नजर रखने एवं प्रभावी सवाल उठाने की स्थितियों को बल मिलेगा। लेकिन विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह नहीं कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ हो, बल्कि यह है कि वह हमेशा जनता के साथ हो और उसकी ओर से मुद्दे उठाए। नेता प्रतिपक्ष पद से सरकार के साथ ही विपक्ष पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ता है। राहुल की सुविधाएं बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ गयी है। 16वीं और 17वीं लोकसभा में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के पास इस पद के लिए आवश्यक 10 प्रतिशत सदस्य नहीं थे। कांग्रेस ने इस बार लोकसभा चुनाव में 99 सीट जीतकर इस पद को हासिल किया है। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी केंद्रीय सतर्कता आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार से जुड़े चयन के अलावा लोकपाल, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक जैसी प्रमुख नियुक्तियों पर महत्वपूर्ण पैनल के सदस्य भी होंगे। प्रधानमंत्री इन पैनल के प्रमुख होते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी को लोकसभा में पहली पंक्ति में सीट मिलेगी। यह सीट डिप्टी स्पीकर की सीट के बगल वाली होगी। इसके अलावा संसद भवन में सचिवीय तथा अन्य सुविधाओं से युक्त एक कमरा भी मिलेगा। विपक्ष के नेता को औपचारिक अवसरों पर कुछ विशेषाधिकार भी प्राप्त होते हैं। एक केन्द्रीय मंत्री को मिलने वाली सभी सुविधाएं राहुल गांधी को मिलेगी।

राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम ने कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल को मनोवैज्ञानिक लाभ पहुंचाया है, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि बनी है। इससे कांग्रेस ने अपना आत्मविश्वास फिर से पा लिया है, जो कोई छोटी बात नहीं। और यह राहुल और प्रियंका गांधी की गतिविधियों में साफ झलकता है। साथ ही, अब इस बात को लेकर भी कांग्रेस में कोई दुविधा नहीं रह गई है कि गांधी परिवार ही सर्वोच्च है और पार्टी पर उसका पूरा नियंत्रण होगा। इसका यह भी मतलब है कि टीम-राहुल का सभी मामलों में फैसला अंतिम होगा। पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से राहुल के पास कांग्रेस की कोई जिम्मेदारी नहीं थी। सदन के भीतर पहली बार वह कोई पद संभालने जा रहे हैं। ऐसे में राहुल के सामने चुनौती होगी कि वह किस तरह पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलते हुए रचनात्मक विरोध की भूमिका को आकार देते हैं। कांग्रेस का सबसे बड़ा काम दलित और पिछड़े मतदाताओं ने यूपी में जो उनकी मदद की है, उनका विश्वास बनाए रखने का है। यह बड़ी सचाई है कि आज भी देश के महत्त्व के राज्यों में भाजपा को क्षेत्रीय दल शिकस्त दे रहे हैं। अगर क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का गठजोड़ बना रहे, तो ही भाजपा पर दबाव आएगा। बड़ा सच यह भी है कि न भाजपा बदली है ना उसकी विचारधारा। भाजपा एवं नरेन्द्र मोदी को भले ही चुनावों में पूर्ण बहुमत न मिला हो, लेकिन वह ही आज ताकतवर है। यह भी समझना होगा कि भाजपा विपक्ष की ताकत से नहीं, बल्कि सरकार की बड़ी गलतियों एवं पार्टी के अति उत्साह से नुकसान में पहुंची है। यह भी एक तथ्य है कि मुस्लिमों के सक्रिय-समर्थन के बिना कांग्रेस को कामयाबी नहीं मिल सकती थी। निश्चित ही मुसलमानों के वोट की अहमियत कुछ-कुछ सीटों पर हार-जीत का फैसला कर गई है। भाजपा अपनी आगे की रणनीति इसी आधार पर बनाएगी और वो पिछले चुनावों के जैसी ही होगी। मतलब कि भाजपा कोई नई भाषा नहीं बोलने वाली है। वह आरोप लगाती रहेगी कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करती है। कांग्रेस के सामने चुनौती होगी कि वो इस आरोप को अपने पर आने न दे, ताकि भाजपा हिंदुओं के हितों की एकमात्र रक्षक है, ऐसा दावा ना कर सके। कांग्रेस को इस हिंदू-मुस्लिम राजनीतिक बवंडर से बचने के लिये अपनी रणनीति को बनाना होगा। बिना हिन्दू वोट के कांग्रेस सफल राजनीतिक पारी नहीं खेल सकती है। इसके साथ ही कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सफलता और निष्फलता का सही आकलन कर लेना जरूरी है। जनता के समक्ष अपना आत्मविश्वास बढ़ाए रखना अच्छी बात है, लेकिन मोदी आज जिस जमीन पर खड़े हैं, जनता के बीच उनकी जो स्वीकार्यता है उसका सही आकलन करना कांग्रेस की आगे की रणनीति के लिए बेहद जरूरी होगा। राहुल गांधी सदन में विपक्ष की मजबूत आवाज बनकर उभरेंगे, इसमें सन्देह नहीं है। पक्ष एवं विपक्ष के बीच एक संतुलन बनना लोकतंत्र की खूबसूरती है एवं अपेक्षा भी है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में विपक्ष के नेता की प्रमुख भूमिकाओं में से एक सरकार की नीतियों पर 'प्रभावी' सवाल उठाना है। विपक्ष के नेता की भूमिका वास्तव में बहुत चुनौतीपूर्ण होती है क्योंकि उसे सरकार की विधायिका और जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करनी होती है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें सरकारी प्रस्तावों-नीतियों के विकल्प प्रस्तुत करने होते हैं। निश्चित तौर पर आने वाले दिनों में राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष अलग एवं ऊंचे स्तर पर अपने तेवर दिखा सकता है। सरकार के लिए कोई भी बिल पास कराना अब इतना आसान नहीं होगा। मोदी की स्थिर सरकार देने की जद्दोजहद के बीच मोदी और राहुल के बीच की टकराव की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता है, लेकिन बावजूद इसके सदन में सकारात्मक वातावरण बना रहना भी जरूरी है। स्थिर सरकार देश की बड़ी जरूरत है, राजनेताओं से उम्मीद की जाती है कि एक बार जनादेश आने के बाद वे चुनावी दौर की कड़वाहट एवं आरोप-प्रत्यारोप की छिछालेदार राजनीति को भुलाते हुए जनता के हित में मिलकर काम करें। इस बार भी चुनाव में अपनी-अपनी पार्टियों के प्रचार की अगुआई करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी ने एक-दूसरे पर खूब हमले बोले हैं। अब उन बातों को पीछे छोड़ते हुए उन्हें बेहतर तालमेल वाले कामकाजी रिश्ते कायम करते हुए देशहित को सामने रखना होगा। राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठना होगा।

- ललित गर्ग

अक्षर योग केंद्र ने योग के क्षेत्र में 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए!

हिमालयन सिद्ध योग गुरु अक्षर के दूरदर्शी नेतृत्व में एक नया इतिहास रचा गया। अक्षर योग केंद्र ने 5 विशिष्ट योगासनों का वैश्विक मानकों पर सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए। दरअसल, 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला मे आयोजित इस स्पर्धा के जरिये योग की सार्वभौमिक अपील यानी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए इसके गहन लाभों का संदेश पूरी दुनिया देने का प्रयास किया गया।

उल्लेखनीय है कि पांच वैश्विक कीर्तिमान स्थापित करने वाले आसनों में नौकासन, कौण्डिन्य आसन (ऋषि कौंडिन्य मुद्रा), चक्रासन, भगवान शिव की एक मुद्रा नटराजासन, पांच मिनट तक लगातार सूर्य नमस्कार का सफलता पूर्वक प्रदर्शन किया गया। अक्षर योग केंद्र ने त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड, बेंगलुरु में सात आसनों के लिये गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के लिए प्रयास किया गया था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की अंतर्राष्ट्रीय टीम ने मानकों का अध्ययन करके पांच आसनों में रिकॉर्डों को मान्यता दी। इसके अलावा दो आसनों पर रिकॉर्ड की मान्यता समीक्षाधीन हैं।जिन्हें विचार के लिए लंदन भेजा जाएगा। भारत की प्राचीन परंपराओं में गहराई से निहित योग, विश्व स्तर पर स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। हिमालयन सिद्ध योग गुरु अक्षर के अनुसार इन रिकॉर्ड को बनाने का उद्देश्य योग के असंख्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, दुनिया भर के लोगों को समग्र स्वास्थ्य और आंतरिक शांति के लिए इस अभ्यास को एकीकृत करने के लिए प्रोत्साहित करना है। त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड में प्रभावशाली वैश्विक भागीदारी ने सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार करने की योग की क्षमता को प्रदर्शित किया। हिमालयन सिद्ध अक्षर के नेतृत्व में इस अवसर पर योग के गहन प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। साथ ही समर्पित अभ्यास के माध्यम से अनुशासन का प्रदर्शन किया गया। शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित अक्षर योग केंद्र इसके विविध लाभों को प्रदर्शित करने के लिए नियमित रूप से फिटनेस शिविर, मुद्रा कार्यशालाएं और ध्यान सत्र आयोजित करता है। हिमालयन सिद्ध अक्षर के अनुसार, "योग शरीर, मन और आत्मा का एक अभिन्न अंग है। यह इन तत्वों को एकजुट करता है और मानवता के लिए एक अनमोल उपहार के रूप में कार्य करता है। यह उल्लेखनीय घटना वास्तव में लोगों के लिए एक आशीर्वाद है, जो उन्हें योग के अभ्यास को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। यह दुनिया भर में एक शक्तिशाली संदेश भेजता है, जिससे हर किसी को योग के गहन महत्व और इसके लाभों का एहसास होता है। इसके अलावा, यह उपलब्धि हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करती है। इसके साथ ही समग्र स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करती है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के वरिष्ठ निर्णायक स्वप्निल डांगरीकर और ऋषिनाथ ने पुष्टि की कि 5 रिकॉर्ड सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। स्वप्निल डांगरीकर ने कहा, "मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि टीम अक्षर योग केंद्र ने सफलतापूर्वक 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड खिताब स्थापित किए हैं। मुझे याद नहीं आता कि मैंने एक ही दिन में इतने सारे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स सर्टिफिकेट दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि इन विश्व रिकार्डस बनाने के लिए जीवन के सभी क्षेत्रों से प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें कि ,छात्रों ने, अनाथालयों के बच्चे, व्यापारिक समुदाय के सदस्य और कॉर्पोरेट घराने शामिल थे।

इसमें भाग लेने वाले एनसीसी ग्रुप ए बैंगलोर के 1200 से अधिक एनसीसी कैडेटों का विशेष योगदान रहा है। उनके साथ, उप महानिदेशक, एनसीसी डीटीई कर्नाटक और गोवा, ग्रुप कमांडर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय ए बेंगलुरु, कमांडिंग ऑफिसर, एसोसिएट एनसीसी अधिकारी, ग्रुप ए एनसीसी बटालियन के स्थायी प्रशिक्षक भी इस भव्य आयोजन का हिस्सा थे। इस गरिमामय समारोह में 20 से अधिक विभिन्न देशों के प्रतिभागी भी शामिल हुए।

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

आज का पंचांग

29 जून को आषाढ़ कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि और शनिवार का दिन है। अष्टमी तिथि दोपहर 2 बजकर 21 मिनट तक रहेगी। आज शाम 6 बजकर 54 मिनट तक शोभन योग रहेगा। साथ ही 29 जून को सुबह 8 बजकर 49 मिनट तक उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रहेगा।

आज का राशिफल

मेष : गोचर आपके लिए शुभ समान सुख एवं लाभदायक रहेगा. बनते बनते कार्यों में अड़चन आएंगी. तालमेल बनाने की आवश्यकता रहेगी. क्रोध से बचें. सभी लोगों से तालमेल युक्त व्यवहार बनाए रखें. रचनात्मक रूप से कार्य करने से लाभ होगा. कार्य क्षेत्र के प्रति अधिक ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी.

वृषभ : ग्रह गोचर आपके लिए उतार चढाव युक्त रहेगा. जब तक कार्य पूरा ना हो जाए तब तक किसी से उसका खुलासा न करें. अन्यथा कार्य बिगड़ भी सकता है. अपनी भावनाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करें. आजीविका के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों को अधिक परिश्रम करने से स्थिति सुधरेगी.

मिथुन : ग्रह गोचर आपके लिए उन्नति कारक एवं सफलता दायक रहेगा. अपनी भावनाओं को नियंत्रण रखें. अपने ऊपर भरोसा रखें. विरोधियों के षड्यंत्र से सावधान रहे. राजनीतिक में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा.

कर्क : किसी अभिन्न मित्र से भेंट होगी. कार्य क्षेत्र में नए सहयोगी बनेंगे. संतान पक्ष से सुखद समाचार मिलेगा. व्यापार में किसी परिजन का सहयोग मिलेगा. नौकरी में उच्च अधिकारियों से घनिष्ठता बढ़ेगी. पैतृक धन संपत्ति मिलने की बाधा किसी वरिष्ठ परिजन के सहयोग से दूर होगी.

सिंह : घर मकान को लेकर कुछ समस्या आ सकती है. यदि आप किराए के मकान में रहते हैं तो मकान मालिक मकान खाली करने के लिए कह सकता है. यदि आप अपने मकान में रहते हैं तो पुराना मकान खाली कर नए मकान में जा सकते हैं. कार्य क्षेत्र में सुख सुविधा पर अधिक ध्यान देना पड़ेगा.

कन्या : कार्य क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी. किसी प्रिय मित्र से भेंट होगी. व्यापार में नए सहयोगी बनेंगे. प्रेम संबंधों में निकटता आएगी. बेरोजगारों को रोजगार प्राप्त होगा. राजनीति में प्रतिष्ठा बढ़ेगी. यात्रा में किसी अनजान व्यक्ति से कोई खाने पीने की वस्तु न ले.

तुला : व्यर्थ भागदौड़ एवं तनाव के साथ दिन की शुरुआत होगी. व्यापार में सहयोगी लाभकारी सिद्ध होंगे. नौकरी में पदोन्नति के साथ लाभ का पद मिलेगा. राजनीति में वर्चस्व स्थापित होगा. रोजगार के प्राप्त होने की बाधा दूर हो जाएगी.

वृश्चिक : किसी सरकारी योजना का लाभ मिलेगा. परिवार में नए साझेदार बनने से उन्नति होगी. धन संपत्ति विवाद को कोर्ट कचहरी में जाने से रोके. और इसे परिजनों की मदद से कोर्ट के बाहर ही निपटने का प्रयास करें. किसी अधूरे कार्य के पूरे होने की योग है.

धनु : व्यापार में अधिक व्यस्तता रहेगी. महत्वपूर्ण कार्य के संपन्न होने से आपके साहस एवं उत्साह में वृद्धि होगी. संपत्ति को लेकर कोई उतावलापन पर न करें. इस विषय को सुलझाएं. रोजगार की तलाश में घर से दूर जाना पड़ सकता है. नौकरी में किसी अधीनस्थ से टकराव होने के योग है.

मकर : कार्य क्षेत्र में कोई सुखद घटना घट सकती है. जिससे आपकी मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी. भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी. व्यापार में आय बढ़ेगी. शेयर, लॉटरी, सट्टा आदि से लाभ होगा. उद्योग धंधे में विस्तार की योजना विस्तार होगा. किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा.

कुंभ : परिश्रम करने पर कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी. व्यापार में उन्नति के साथ लाभ होगा. कला, अभिनय की दुनिया में आपके नाम का डंका बजेगा. राजनीति में किसी वरिष्ठ व्यक्ति की निकटता का लाभ मिलेगा. शासन सत्ता से जुड़े मामले में सफलता मिलेगी. रोजी रोजगार की तलाश में घर से दूर जाना पड़ सकता है. नौकरी में अधीनस्थ के कारण मान सम्मान बढ़ेगा.

मीन : आध्यात्मिक कार्य में सक्रिय भूमिका अदा करने का अवसर प्राप्त होगा. विद्यार्थियों की अध्ययन में अभिरुचि रहेगी. व्यापार में नए मित्र सहयोगी सिद्ध होंगे. किराना व्यापार से जुड़े लोगों को विशेष लाभ होगा. किसी राजनीतिक कार्यक्रम का प्रबंध अथवा नेतृत्व करने का अवसर आपको प्राप्त होगा. यात्रा पर जा सकते हैं.

रोगमुक्त रहने के लिए ऐसे करें की शीतला अष्टमी पूजा

29 जून, शनिवार को शीतला अष्टमी मनाई जाएगी. शीतला देवी की पूजा सूर्योदय से पूर्व करना चाहिए, क्योंकि माता शीतलता का प्रतीक हैं. शीतला अष्टमी की पूजा में देवी को ठंडी बाजी चीजों का भोग लगाया जाता है. देवी शीतला का भोग व्रत से एक दिन पहले यानी सप्तमी की रात को ही बना लिया जाता है. शास्त्रों के अनुसार शीतला अष्टमी संतान की खुशहाली, सलामती और सफलता के विशेष फलदायी माना गया है. जानें शीतला अष्टमी का शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और नियम.

शीतला अष्टमी की पूजा विधि

- शीतला अष्टमी के दिन सूर्योदय से पूर्व स्नान कर लें और फिर स्वच्छ वस्त्र पहनें.
- पूजा की थाली तैयार करें - थाली में दही, पुआ, रोटी, बाजरा, सप्तमी को बने मीठे चावल, नमक पारे और मठरी रखें। वहीं दूसरी थाली में आटे से बना दीपक, रोली, वस्त्र, अक्षत, मोली, होली वाली बड़कुले की माला, सिक्के और मेहंदी रखें और साथ में ठंडे पानी का लोटा रखें.
- अब शीतला माता की मूर्ति पर जल अर्पित करें. देवी पर चढ़ाया जल थोड़ा सा इक्ठ्ठा कर लें पूजा के बाद इसे आंखों पर लगाएं. इससे आरोग्य मिलता है.
- अब नीम के पेड़ पर भी जल चढ़ाएं. देवी को कुमकुम, हल्दी, मेहंद, अक्षत, कलावा चढ़ाएं. देवी को बासी हलवा, पूड़ी, बाजरे की रोटी, पुए, राबड़ी, आदि का भोग लगाएं.
- अब घी का दीपक बिना जलाए ही देवी की मूर्ति के सामने रख दें. शीतला अष्टमी व्रत की कथा करें, शीतलाष्टक स्तोत्र का पाठ भी करना अच्छा होता है.
- अब हल्दी को गिला कर हाथ में लगाएं और इसे घर के मुख्य द्वार या रसोई की दीवार पर छापे दें.इसके ऊपर कुमकुम और चावल लगाएं
- इस दिन देवी के भोग के लिए बनाए पकवान ही परिवार सहित ग्रहण करें.

शीतला अष्टमी पूजा मंत्र

वन्देहं शीतलां देवीं रासभस्थां दिगम्बराम।
मार्जनीकलशोपेतां शूर्पालड्कृतमस्तकाम।।

शीतला अष्टमी पर क्या न करें

- शीतला अष्टमी से एक दिन पहले यानी सप्तमी की रात को स्नान कर स्वच्छता के साथ भोग बनाएं.
- शीतला अष्टमी के दिन नए कपड़े या काले कपड़े न पहनें.
- कहते हैं शीतला अष्टमी के दिन सुई में धागा नहीं डालना चाहिए और न ही सिलाई करनी चाहिए.
- शीतला अष्टमी के दिन चूल्हा नहीं जलाया जाता

योगिनी एकादशी व्रत का पारण कब है?

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व माना गया है. आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि के दिन योगिनी एकादशी का व्रत किया जाता है. इस साल 2 जुलाई को योगिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा. एकादशी तिथि व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होती है. इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से घर में सुख, सौभाग्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है.

योगिनी एकादशी का व्रत निर्जला एकादशी के बाद और देवशयनी एकादशी से पहले रखा जाता है. शास्त्रों की मानें तो एकादशी व्रत रखने से व्यक्ति के जीवन में आ रही सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं और व्यक्ति को पुण्य के बराबर फल प्राप्त होता है. मान्यता है कि योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की उपासना और व्रत रखने से व्यक्ति को मृत्यु के बाद 'श्रीहरि' के चरणों में स्थान प्राप्त होता है. एकादशी व्रत का पारण अगले दिन द्वादशी तिथि के दिन किया जाता है. ऐसे में अगर आप योगिनी एकादशी का व्रत रखने जा रहे हैं तो आपको बताते हैं योगिनी एकादशी व्रत पारण का समय और कुछ जरूरी नियम.

योगिनी एकादशी व्रत तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि शुरू - 1 जुलाई को सुबह 10 बजकर 26 मिनट पर. आषाढ़ माह कृष्ण पक्ष एकादशी तिथि समाप्त 2 जुलाई को सुबह 8 बजकर 34 पर. ऐसे में उदयातिथि को मानते हुए योगिनी एकादशी का व्रत 2 जुलाई 2024 को रखा जाएगा.

योगिनी एकादशी 2024 व्रत पारण कब है?

योगिनी एकादशी व्रत का पारण अगले दिन द्वादशी तिथि पर किया जाता है. ऐसे में 3 जुलाई सुबह 5.28 मिनट से लेकर सुबह 7.10 मिनट के बीच योगिनी एकादशी व्रत का पारण किया जाएगा.

एकादशी का पारण द्वादशी तिथि के दौरान ही करना शुभ माना गया है. द्वादशी तिथि का समापन 3 जुलाई को सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर होगा.

योगिनी एकादशी व्रत का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, योगिनी एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति के द्वारा जाने-अनजाने में किए गए सारे पाप मिट जाते हैं और घर में खुशहाली बनी रहती है. ऐसा कहा जाता है कि योगिनी एकादशी का व्रत करना 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर का फल देता है.

योगिनी एकादशी व्रत पारण नियम

- शास्त्रों के अनुसार, एकादशी व्रत का पारण हरि वासर समय समाप्त होने के बाद ही करना चाहिए.
- एकादशी व्रत तोड़ने के लिए सबसे सही समय प्रातः काल का माना जाता है.
- लोग एकादशी व्रत कर रहे हैं उन्हें मध्याह्न यानी दोपहर के समय व्रत का पारण नहीं करना चाहिए.
- अगर सुबह ऐसा नहीं कर पाएं, तो दोपहर के बाद पारण करना चाहिए.
- एकादशी व्रत पारण के समय भोजन में मूली, बैंगन, साग, मसूर दाल, लहसुन या प्याज आदि का भूलकर भी इस्तेमाल न करें.
- एकादशी व्रत पारण का पारण सात्विक भोजन से करें और उस भोजन में चावल को जरूर शामिल करें.
- द्वादशी के दिन एकादशी व्रत पारण के समय चावल खाना शुभ माना जाता है.

योगिनी एकादशी का महत्व

योगिनी एकादशी निर्जला एकादशी के बाद और देवशयनी एकादशी से पहले की जाती है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से आपके घर में धन, संपत्ति, वैभव आता है और आपको सुख समृद्धि प्राप्त होती है। भगवान विष्णु के योग निद्रा में जाने से पहले इस एकादशी पर पूजा करने और भजन कीर्तन करने का खास महत्व होता है। ऐसा मानते हैं कि इस दिन ईश्वर की कृपा आपको प्राप्त होती है और पूरे परिवार पर आपकी कृपा बनी रहती है।

योगिनी एकादशी पर बने हैं ये शुभ योग

योगिनी एकादशी पर अबकी बार त्रिपुष्कर योग और सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। 2 जुलाई को सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 5 बजकर 27 मिनट से अगले दिन सुबह 3 जुलाई को 4 बजकर 40 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा त्रिपुष्कर योग 2 जुलाई को सुबह 8 बजकर 42 मिनट से अगले दिन 3 जुलाई को सुबह 4 बजकर 40 मिनट तक रहेगा।

योगिनी एकादशी के उपाय

पीपल में जल अर्पित करें

इस दिन कर्ज से मुक्ति के लिए पीपल वृक्ष में जल अर्पित करके उसकी विधिवत पूजा करें।

लक्ष्मी प्राप्ति

इस दिन धन-धान्य तथा लक्ष्मी की प्राप्ति के लिए घर में भगवान श्री विष्णु तथा माता लक्ष्मी का केसर मिले जल से अभिषेक करें।

घी का दीया

एकादशी तिथि पर पीपल में मीठा जल चढ़ाने तथा शाम के समय पीपल की जड़ में घी का दीया लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है।

तुलसी पूजन

एकादशी के दिन सायं के समय तुलसी के सामने गाय के घी का दीपक जलाकर ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय नमः का जाप करते हुए तुलसी जी की 11 परिक्रमा करें, इस उपाय से घर के समस्त संकट और आने वाली परेशानियां भी दूर जाती हैं।

दान-पुण्य

एकादशी के दिन उपवास के पश्चात द्वादशी तिथि पर पारण से पूर्व ब्राह्मणों को मिठाई, दक्षिणा तथा गरीबों को खाद्य सामग्री देने के पश्चात ही खुद पारणा करना लाभकारी होता है।

जाप मंत्र

एकादशी के दिन सुबह घर की सफाई करके मुख्य द्वार पर हल्दीयुक्त जल या गंगा जल का छिड़काव करके मंत्र- ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय नमः का 108 बार जाप करें। जाप में तुलसी की माला को उपयोग में लाएं।

स्थायी धन प्राप्ति

स्थायी धन की प्राप्ति के लिए पूजा स्थान में 11 गौमती चक्र रखकर स्फटिक की माला से श्री महालक्ष्म्यै श्रीयें नमः मंत्र का 11 माला जाप करके उन्हें लाल वस्त्र में बांधकर तिजोरी में धन वाले स्थान पर रख दें।

रुपए का दान

इस दिन अपने सामर्थ्य के अनुसार वस्त्र और रुपया-पैसे का दान अवश्य करना चाहिए।

आषाढ़ अमावस्या कब है, पितर पूजन के लिए खास मानी जाती है यह तिथि

आषाढ़ अमावस्या का धार्मिक और पौराणिक महत्व बहुत खास माना जाता है। इस साल आषाढ़ अमावस्या 5 जुलाई दिन शुक्रवार को है। इस दिन जरूरतमंद लोगों की मदद करने और जरूरत की वस्तुएं दान करने से मां लक्ष्मी आपसे प्रसन्न होती है और आपको सदैव सुखी और संपन्न रखती हैं। आइए जानते हैं आषाढ़ अमावस्या का महत्व और इस दिन क्या करें और क्या नहीं।

आषाढ़ मास की अमावस्या का महत्व धार्मिक रूप से बहुत खास माना गया है। आषाढ़ अमावस्या इस बार 5 जुलाई को है। मान्यताओं के अनुसार इस दिन स्नान दान और पूजापाठ करने का खास महत्व होता है। कहते हैं कि हर महीने की अमावस्या को पितर धरती पर अपने परिजनों को देखने आते हैं। यदि इस दिन उनके नाम से दान पुण्य के कार्य किए जाएं तो आपको बहुत ही शुभ फल की प्राप्ति होती है। पितर अमावस्या की तरह ही आषाढ़ अमावस्या का महत्व शास्त्रों में बहुत खास माना गया है। आइए आपको इस बारे में विस्तार से बताते हैं और जानते हैं कुछ और खास बातें।

आषाढ़ अमावस्या कब से कब तक

हिंदू पंचांग के अनुसार आषाढ़ अमावस्या 5 जुलाई शुक्रवार को सुबह 4 बजकर 57 मिनट से लेकर अगले दिन 6 जुलाई को सुबह 4 बजकर 26 मिनट तक रहेगी। इसलिए उदया तिथि के आधार पर आषाढ़ अमावस्या का व्रत 5 जुलाई शुक्रवार को रखा जाएगा।

आषाढ़ अमावस्या पर क्या करें

आषाढ़ अमावस्या का महत्व शास्त्रों में बहुत ही खास माना जाता है। इस दिन सुबह स्नान करने के बाद पितरों का तर्पण करना सबसे शुभ माना जाता है। इसके बाद पितरों के नाम से दान पुण्य करना चाहिए। इस दिन जरूरतमंद लोगों को वस्त्र और अनाज का दान करना चाहिए। पितरों का तर्पण करने के लिए कुश, काले तिल और सफेद फूल का प्रयोग करना सबसे अच्छा माना जाता है।

आषाढ़ अमावस्या की शाम को पीपल के पेड़ पर सरसों के तेल का दीपक जरूर जलाना चाहिए। कहते हैं पीपल के पेड़ पर पितरों का वास होता है। इसके अलावा अमावस्या तिथि पर आपको शाम के वक्त दक्षिण दिशा में सरसों के तेल का दीपक जरूर जलाकर रखना चाहिए। अमावस्या के दिन आटा दान करना बहुत अच्छा माना जाता है। इसके साथ ही इस दिन नमक और चीनी का दान भी जरूर करें।

आषाढ़ अमावस्या पर क्या न करें

अमावस्या तिथि को शास्त्रों में बहुत ही नियम संयम का पालन करने वाला दिन माना जाता है। इस दिन भूलकर भी किसी बुजुर्ग का अपमान न करें और किसी के साथ विवादों में पड़ने से बचें। अमावस्या तिथि पर मांस मदिरा का सेवन भूलकर भी न करें और द्वार पर आए किसी भिक्षुक को खाली हाथ न जाने दें।

दक्षिण दिशा में है आपके घर का मुख्य दरवाजा, तो इन उपायों से टालें अनहोनी का खतरा

वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आपके घर का मुख्य दरवाजा दक्षिण दिशा की तरफ है, तो आपको कुछ उपाय करके घर में आने वाली ऊर्जा को सकारात्मक बनाए रखने के लिए कुछ उपाय जरूर करने चाहिए। आइए, जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का मुख्य दरवाजा दक्षिण दिशा में होने पर क्या करना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में आने वाली सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा घर की छोटी-छोटी चीजों पर भी निर्भर करती है। जैसे, अगर वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आपके घर का दरवाजा दक्षिण दिशा की तरफ होता है, तो आपके घर में अनहोनी या भी नकारात्मक घटनाएं होने की आशंका काफी बढ़ जाती है क्योंकि मान्यता है कि दक्षिण दिशा यमराज की दिशा होती है, इसलिए दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाए जाते, लेकिन जानकारी की कमी के चलते कई लोग दक्षिण दिशा में मुख द्वार बनवा लेते हैं। ऐसे में इसे शुभ नहीं माना जाता है। आइए, जानते हैं कि अगर किसी कारणवश आपके घर का मेन गेट दक्षिण दिशा की तरफ है, तो आपको कौन-से उपाय करने चाहिए।

दक्षिण दिशा में रखें गणेश जी की प्रतिमा

आपके घर का दरवाजा अगर दक्षिण दिशा की तरफ है, तो आपको दक्षिण दिशा में गणेश जी की प्रतिमा जरूर लगानी चाहिए। इससे भी दक्षिण दिशा में घर का मुख्य दरवाजा होने के अशुभ प्रभाव कम हो जाते हैं। गणेश जी प्रतिमा को रोजाना साफ जरूर करें। याद रखें कि आपको घर की दक्षिण दिशा में भगवान की मूर्ति तब ही रखनी चाहिए, जब आपके घर का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में हो।

दक्षिण दिशा की दीवार पर बनाएं स्वास्तिक

घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए आपको दक्षिण दिशा की दीवार पर स्वास्तिक का निशान बनाना चाहिए। इससे भी घर में बनी नकारात्मक ऊर्जा बाहर हो जाती है और घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। शुभ प्रभावों में वृद्धि के लिए आपको रोजाना रोली से दीवार पर स्वास्तिक बनाना चाहिए।

दक्षिण दिशा में लगाएं हनुमान जी फोटो

आपको दक्षिण दिशा में हनुमान जी की आशीर्वाद देने वाली मुद्रा में तस्वीर जरूर लगानी चाहिए। इसके अलावा आप दक्षिण दिशा में पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर भी दक्षिण दिशा में लगा सकते हैं। इससे हनुमान जी आपके घर में कृपा बनाकर रखेंगे और आपकी सारी पीड़ाएं दूर कर देंगे।

दक्षिण दिशा में रखें कैक्टस

घर में कैक्टस का पौधा लगाना शुभ नहीं माना जाता लेकिन अगर आप घर का दरवाजा दक्षिण दिशा में होने की वजह से उपाय के तौर पर कैक्टस लगाते हैं, तो इसके अशुभ प्रभाव खत्म हो जाते हैं। घर में कैक्टस यानी नागफनी का पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश घर में नहीं होता।

दक्षिण दिशा में लगाएं बड़ा-सा शीशा

आपके घर का दरवाजा अगर दक्षिण दिशा में है, तो आपको दक्षिण दिशा में दरवाजे के ठीक सीधी पड़ने वाली दीवार पर एक बड़ा-सा शीशा जरूर लगाना चाहिए, इससे दरवाजा खुलते ही घर में आई नकरात्मक ऊर्जा शीशे से टकराकर वापस चली जाएगी।

रोहित ने विराट कोहली का किया समर्थन, कहा- फॉर्म कभी समस्या नहीं होती

प्रोविडेंस। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को नहीं लगता कि दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की फॉर्म कोई "समस्या" है, बल्कि उनका मानना है कि उनका इरादा सही है और वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के फाइनल में खेल सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ शानदार प्रदर्शन करने के बाद, कोहली इस बड़े इवेंट के पूरे संस्करण में अपने बल्ले से रन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सात मैचों में इस अनुभवी बल्लेबाज ने 10.71 की औसत से केवल 75 रन बनाए हैं। ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल उनके लिए वापसी करने और फाइनल से पहले अपनी फॉर्म हासिल करने का सही मंच था। उन्होंने गेंद को मिड-विकेट के ऊपर से एक छक्का भी मारा, जिससे क्रीज पर लंबे समय तक टिके रहने का संकेत मिला। लेकिन जब कोहली ने रीस टॉपली को लेग स्टंप पर शॉट मारने की कोशिश की, वह बोल्ड हो गए।

कोहली के निराशाजनक सीजन के बावजूद, भारतीय कप्तान कोहली के फॉर्म को लेकर चिंतित नहीं हैं और उन्होंने फाइनल में कोहली के खेलने का समर्थन किया। रोहित ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, "कोहली एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। कोई भी खिलाड़ी इससे गुजर सकता है। हम उनकी क्लास को समझते हैं और इन सभी बड़े मैचों में उनकी अहमियत को समझते हैं। फॉर्म कभी कोई समस्या नहीं होती। जब आप 15 साल तक क्रिकेट खेलते हैं, तो फॉर्म कभी कोई समस्या नहीं होती।

वह अच्छा खेल रहे हैं, वह शायद फाइनल के लिए खेल बचा रहे हैं। " भारत ने 2022 विश्व कप सेमीफाइनल की यादों को भुलाते हुए इंग्लैंड को 68 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की स्पिन जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम को 16.4 ओवर में 103 रनों पर समेट दिया। अक्षर और कुलदीप दोनों ने 3-3 विकेट लिए। रोहित का मानना है कि फाइनल में विजयी होने का मंत्र अपराजित प्रोटियाज के खिलाफ अच्छा क्रिकेट खेलना होगा। रोहित ने कहा, "हम एक टीम के तौर पर बहुत शांत रहे हैं। हम इस मौके (फाइनल) को समझते हैं। शांत रहने से आपको अच्छे फैसले लेने में मदद मिलती है। इससे हमें मैच जीतने में मदद मिलेगी। आपको अच्छा क्रिकेट खेलना होगा। हम फाइनल में यही करना चाहते हैं। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे, बस इतना ही कह सकता हूं। टीम अच्छी स्थिति में है, वे अच्छा खेल रहे हैं। मैं बस यही उम्मीद कर सकता हूं कि फाइनल में वे एक और अच्छा प्रदर्शन करें।" भारत और दक्षिण अफ्रीका शनिवार को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में फाइनल में भिड़ेंगे।

वर्ल्ड टेनिस लीग सीज़न 3 का आयोजन दिसंबर में, अबू धाबी करेगा मेजबानी

अबू धाबी। अबू धाबी स्पोर्ट्स काउंसिल 19 से 22 दिसंबर तक प्रतिष्ठित एतिहाद एरिना में आयोजित होने वाले वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के तीसरे सीजन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। बेहतरीन टेनिस और शानदार संगीत प्रदर्शनों के मिश्रण के लिए मशहूर डब्ल्यूटीएल के दूसरे सीजन ने काफी लोकप्रियता और वैश्विक मीडिया वैल्यू हासिल की थी। चार दिवसीय कार्यक्रम में डेनियल मेदवेदेव, स्टेफानोस सितसिपास, एंड्री रूबलेव, आर्यना सबालेंका, इगा स्विएटेक और एलेना रायबाकिना जैसे वैश्विक टेनिस आइकन शामिल थे, जिन्होंने कोर्ट के अंदर और बाहर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। डेनियल मेदवेदेव, एंड्री रुबलेव, मीरा एंड्रीवा और सोफिया केनिन की मौजूदगी वाली पीबीजी ईगल्स डब्ल्यूटीएल 2023 की चैंपियन बनकर उभरी। सीजन 2 का सीधा प्रसारण 125 से ज़्यादा देशों में किया गया, जिसमें विश्व स्तरीय कलाकारों ने यास द्वीप के एतिहाद एरिना में परफ़ॉर्म किया।

टी20 विश्व कपः दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच के लिए बारबाडोस पहुंची टीम इंडिया

ब्रिजटाउन। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल मैच के लिए शुक्रवार को बारबाडोस पहुंच गई। गुरुवार को गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में इंग्लैंड को 68 रनों से हराकर भारतीय टीम ने इस बड़े इवेंट के फाइनल में जगह बनाई। वहीं, दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। भारतीय टीम ने टी-20 विश्व कप 2024 के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन किया और सात अंकों के साथ ग्रुप ए तालिका में शीर्ष पर रही। रोहित शर्मा की टीम 2013 के चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से आईसीसी ट्रॉफी के लिए भारत के सूखे को खत्म करने और दक्षिण अफ्रीका में 2007 के उद्घाटन संस्करण के बाद से अपना पहला टी 20 विश्व कप जीतने के लिए उत्सुक होगी। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच की बात करें तो रोहित (57) के अर्धशतक और सूर्यकुमार यादव (47), हार्दिक पांड्या (23) और रवींद्र जडेजा (नाबाद 17) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 171 का स्कोर बनाया। 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लिश टीम केवल 103 रन ही बना सकी। इंग्लैंड के लिए जोफ्रा आर्चर ने 15 गेंदों पर 21 रन की शानदार पारी खेली। भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें शनिवार को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में फाइनल में एक-दूसरे के सामने होंगी।

एनबीए ड्राफ्ट 2024: लेकर्स ने लेब्रोन जेम्स के बेटे ब्रॉनी को चुना, एक साथ कोर्ट साझा कर सकते हैं पिता-पुत्र

न्यूयॉर्क। कई हफ़्तों की प्रतीक्षा के बाद, दिग्गज बॉस्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स के पुत्र 19 वर्षीय ब्रॉनी जेम्स को लॉस एंजिल्स लेकर्स ने एनबीए ड्राफ्ट में 55वें पिक के साथ चुन लिया है, इसी के साथ लीग के इतिहास में यह पहली बार होगा, जब पिता और पुत्र एक साथ कोर्ट साझा करेंगे। एनबीए के सर्वकालिक स्कोरिंग लीडर और चार बार के चैंपियन लेब्रोन के सबसे बड़े बेटे ब्रॉनी जेम्स को गुरुवार को लॉस एंजिल्स लेकर्स द्वारा ड्राफ्ट किया गया, वह टीम जिसके लिए लेब्रोन 2018 से खेल रहे हैं। अपने करियर के अंत के करीब लेब्रोन, संभवतः अगले सीज़न में अपने बेटे के साथ कोर्ट साझा कर सकते हैं। यह लीग में लेब्रोन की लंबी उम्र और विरासत का भी प्रमाण है क्योंकि वह 2003/04 सीज़न में अपने डेब्यू के बाद से ही खेल पर

हावी रहे हैं। लेकर्स द्वारा ब्रॉनी को चुने जाने के बाद 20 बार ऑल-स्टार रहे इस खिलाड़ी ने इंस्टाग्राम पर अपने बेटे के साथ कई तस्वीरें पोस्ट कीं और कैप्शन में लिखा, "विरासत!!"। ब्रॉनी को पिछले जुलाई में तब स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ा था, जब कार्डियक अरेस्ट के बाद जन्मजात हृदय दोष का पता चला था। सौभाग्य से, उन्हें नवंबर में फिर से खेलना शुरू करने की मंजूरी मिल गई। 39 वर्षीय लेब्रोन के पास इस गर्मी में एक फ्री एजेंट बनने का विकल्प है। हालांकि उन्होंने आधिकारिक तौर पर अपने इरादे घोषित नहीं किए हैं, लेकिन 2022 में उन्होंने अपने बेटे के साथ अपना आखिरी साल खेलने का संकेत दिया था, जो उनके लेकर्स के साथ बने रहने की प्रबल संभावना का संकेत देता है।

मैं यदि अपना 100 प्रतिशत दूँ, तो पेरिस में देश के लिए पदक जीत सकती हूँ : मीराबाई चानू

नई दिल्ली। टोक्यो में अपने रजत पदक के अलावा एक और ओलंपिक पदक जीतने को उत्सुक भारोत्तोलक मीराबाई चानू पिछले साल हांग्जो एशियाई खेलों में अपने दिल तोड़ने वाले अनुभव की पुनरावृत्ति से बचने के लिए सावधानी बरत रही हैं। पेरिस 2024 के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई के लिए, पिछले एशियाई खेलों में, जहां उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान अपने दाहिने कूल्हे को घायल कर लिया था और कुल स्कोर दर्ज नहीं कर सकी थीं, सीखने का अनुभव था। मीराबाई ने गुरुवार को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा आयोजित एक बातचीत के दौरान कहा, "मैं

अपने प्रशिक्षण के दौरान चोट न लगने का ध्यान रखती हूं। मैं अपनी तकनीक, शक्ति (प्रशिक्षण) और आहार के बारे में सावधान रहती हूं। मैं क्या खाती हूं और रिकवरी क्या है, यह महत्वपूर्ण है। मैं कौन से व्यायाम करती हूं और किन मांसपेशियों पर ध्यान केंद्रित करती हूं, यह भी महत्वपूर्ण है।" एशियाई खेलों के बाद शीर्ष भारोत्तोलक ने पांच महीने तक पुनर्वास किया और अप्रैल में फुकेट में आईडब्ल्यूएफ विश्व कप में भाग लिया, जिसमें उन्होंने 184 किलोग्राम सफलतापूर्वक उठाया। यह टोक्यो खेलों में उनके कुल वजन से 18 किलोग्राम कम था और पेरिस में पदक जीतने की संभावना को बढ़ाने के लिए उन्हें 200 किलोग्राम से अधिक वजन उठाने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, "अब मैं 80 से 85 प्रतिशत (जितना मैं उठाने में सक्षम हूँ) उठा रही हूँ। खेलों में एक महीना बाकी है, मैं धीरे-धीरे अपना वजन बढ़ाऊँगी।" 29 वर्षीय भारोत्तोलक, जो उत्साह से लेकर चिंता, तनाव और घबराहट तक के मिश्रित भावों से गुजर रही है, खेलों से पहले प्रशिक्षण के लिए 7 जुलाई को पेरिस के लिए रवाना होने वाली हैं। उन्होंने कहा, "पिछले तीन सालों में चोटों के कारण मुझे बहुत कुछ झेलना पड़ा है। प्रतियोगी बदल गए हैं। मुझे आश्चर्य है कि क्या मैं फिर से पदक जीत पाऊँगी। लेकिन अगर मैं अपना 100 प्रतिशत दूँ, तो मैं देश के लिए पदक जीत सकती हूँ।" उन्होंने कहा, "ओलंपिक से पहले पेरिस में प्रशिक्षण का अवसर पाकर मैं गौरवान्वित हूं। मैं साई और भारतीय भारोत्तोलन महासंघ को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूं।" मीराबाई ने अपने कोच विजय शर्मा को उनके मार्गदर्शन के लिए भी धन्यवाद दिया। मीराबाई ने अपने कोच के साथ एक और सफल ओलंपिक अभियान की उम्मीद करते हुए कहा, "मैं विजय सर के साथ हर बात पर चर्चा करती हूं।

व्यापार

शेयर बाजार में तेजी, लगातार चौथे दिन बना मजबूती का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार चौथे दिन रिकॉर्ड तोड़ तेजी का सिलसिला जारी है। आज एक बार फिर शेयर बाजार ने ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बना कर कारोबार की शुरुआत की और थोड़ी ही देर में अभी तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचने में सफल रहा। हालांकि बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण बाजार में मामूली गिरावट भी नजर आई। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करते रहे। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत और निफ्टी 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज

शेयरों में से डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एनटीपीसी और ओएनजीसी के शेयर 2.53 प्रतिशत से लेकर 1.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, अडाणी पोर्ट्स, बीपीसीएल और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 1.36 प्रतिशत से लेकर 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,198 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,485 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 713 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज लगातार चौथे दिन ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 214.40 अंक उछल कर 79,457.58 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण सुबह 10 बजे के करीब ये सूचकांक 430 अंक से अधिक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 79,671.58 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण इसकी चाल में गिरावट भी दर्ज की गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 308.62 अंक की बढ़त के साथ 79,551.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने भी आज ओपनिंग का ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड बनाते हुए 41.40 अंक की बढ़त के साथ 24,085.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवाली का सपोर्ट मिलने के कारण ये सूचकांक करीब 130 अंक उछल कर लगातार चौथे दिन ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड बनाते हुए 24,174 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि इसके बाद बिकवाली का मामूली दबाव बनने के कारण इसमें थोड़ी गिरावट भी आई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 21 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) 21 लाख करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट) कैप वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है। जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के टैरिफ दरों में 25 फीसदी तक महंगे करने की घोषणा के बाद शुक्रवार को रिलायंस का शेयर करीब 2 फीसदी चढ़ कर रिकॉर्ड 3,129 रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद कंपनी का मार्केट कैप बढ़ कर 20 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर भाव 2 फीसदी की तेजी के साथ 3129 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो 52 हफ्ते का नया उच्चतम स्तर है। उल्लेखनीय है कि निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी आरआईएल चार महीना पहले फरवरी 2024 में पहली बार 20 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप को पार किया था। इससे पहले कंपनी ने सितंबर 2021 में 15 लाख करोड़ रुपये का लेवल पार किया था। 2019 में रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 10 लाख करोड़ रुपये के पार निकला था।

रुपया आठ पैसे बढ़कर 83.37 डॉलर पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी कोषों की लिवाली की वजह से रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे बढ़कर 83.37 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अन्य बाजारों में डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने स्थानीय इकाई पर दबाव डाला और रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.42 पर खुला और शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले 83.37 पर पहुंच गया। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे बढ़कर 83.45 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत बढ़कर 106.06 पर था।

स्टेनली लाइफस्टाइल्स का शेयर 38 फीसदी से ज्यादा बढ़त के साथ सूचीबद्ध

मुंबई। लक्जरी फर्नीचर ब्रांड कंपनी स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड का शेयर शुक्रवार को 369 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 38 फीसदी से अधिक बढ़कर सूचीबद्ध हुआ है। कंपनी का शेयर आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर निर्गम मूल्य के मुकाबले 35.23 फीसदी उछलकर 499 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इसके बाद शेयर 38.21 फीसदी बढ़कर 510 रुपये पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर यह 34.13 फीसदी की तेजी के साथ 494.95 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ है। स्टेनली लाइफस्टाइल्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 96.98 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के आईपीओ का आकार 537 करोड़ रुपये है। इसके आईपीओ में 200 करोड़ रुपये का ताजा निर्गम और 91,33,454 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

कंपनी आईपीओ से मिली राशि का इस्तेमाल नए स्टोर खोलने और मौजूदा स्टोर के नवीनीकरण के

लिए करेगी। बेंगलुरु स्थित स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड एक लक्जरी फर्नीचर ब्रांड है। यह अपने कई ब्रांड के जरिए सुपर-प्रीमियम, लक्जरी और अल्ट्रा-लक्जरी सहित विभिन्न मूल्य श्रेणियों में काम करने वाली कुछ भारतीय कंपनियों में से एक है। इसकी बेंगलुरु में दो निर्माण सुविधाएं मौजूद है।

लगातार सस्ता हो रहा है सोना, चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार चौथे दिन सोने के कारोबार में दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर बाजारों में सोना के भाव में आज गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा दूसरे सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 72 हजार रुपये के स्तर से फिसल कर 71,870 रुपये से लेकर 71,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज चेन्नई के अलावा बाकी सर्राफा बाजारों में 66 हजार के स्तर से गिर कर 65,890 रुपये से लेकर 65,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चेन्नई में आज भी 24 कैरेट सोना 72 हजार और 22 कैरेट सोना 66 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम

के स्तर के ऊपर बना हुआ है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं आया है। इस वजह से आज भी दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 89,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 71,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 65,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 71,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 71,770 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 65,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 71,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 71,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 65,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 71,770 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 65,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 71,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 71,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 65,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन की कमाई में मामूली बढ़त

कबीर खान के निर्देशन में बनी फिल्म चंदू चैंपियन में कार्तिक आर्यन की उम्दा अदाकारी की चारों ओर खूब तारीफ हो रही है।पिछले कुछ दिनों से चंदू चैंपियन की कमाई में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रही है, लेकिन 12वें दिन फिल्म के कारोबार में मामूली उछाल आया है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, जहां चंदू चैंपियन ने 11वें दिन 1.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, वहीं अपनी रिलीज के 12वें दिन यह फिल्म 2 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। इसी के साथ अब इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 53 करोड़ रुपये हो गया है।फिल्म में विजय राज और राजपाल यादव ने भी अहम भूमिका निभाई है।बता दें कि चंदू चैंपियन की एक टिकट पर दूसरी बिल्कुल मुफ्त मिल रही है। चंदू चैंपियन के बाद कार्तिक फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आएंगे, जिसमें उनकी जोड़ी पहली बार तृप्ति डिमरी के साथ बनी है।विद्या बालन और माधुरी दीक्षित जैसी अभिनेत्रियां भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाने वाली हैं।यह फिल्म 12 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। भूल भुलैया 3 2007 में आई कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया की तीसरी कड़ी है। साल 2022 में इस फिल्म का सीक्वल आया था।

कंगना रनौत की इमरजेंसी की नई रिलीज डेट आई सामने

6 सितंबर को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी फिल्म

एक्ट्रेस कंगना रनौत की अपकमिंग पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी को लेकर नया अपडेट सामने आया है। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद एक्ट्रेस कंगना रनौत अब अपने फिल्मी करियर पर भी फोकस कर रही हैं। उनकी अपकमिंग पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी को लेकर नया अपडेट सामने आया है। कई बार रिलीज डेट टलने के बाद अब यह फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने वाली है। एक्ट्रेस ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर रिलीज डेट की घोषणा की। इस बारे में बात करते हुए, कंगना ने कहा,

मैं विलियम शेक्सपियर के मैकबेथ से प्रेरित हूं। इमरजेंसी भारतीय लोकतंत्र का सबसे सनसनीखेज चैप्टर है, और मैं 6 सितंबर, 2024 को दुनिया भर में इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। पोस्टर शेयर करते हुए कंगना ने कैप्शन में लिखा, आजाद भारत के सबसे काले अध्याय के 50वें साल की शुरुआत... इमरजेंसी 6 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे कंट्रोवर्शियल एपिसोड की विस्फोटक गाथा। फिल्म में कंगना रनौत भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल निभाती हुई दिखाई देंगी। बता दें कि देश में आंतरिक और बाहरी खतरों के चलते 25 जून 1975 को भारत में 21 महीने के लिए इमरजेंसी लागू की गई थी। कंगना के अलावा, फिल्म में अनुपम खेर, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और दिवंगत सतीश कौशिक जैसे कलाकार नजर आएंगे। जी स्टूडियो और मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा निर्मित, फिल्म का म्यूजिक संचित बलहारा ने तैयार किया है, जबकि कहानी और डायलॉग रितेश शाह ने लिखे हैं। गौरतलब है कि इमरजेंसी की रिलीज डेट दो बार टल चुकी है। पहले यह 24 नवंबर 2023 में रिलीज होनी थी, लेकिन किसी वजह से यह थिएटर में नहीं जा पाई। बाद में फिल्म की रिलीज डेट 7 महीने आगे बढ़ा दी गई और कहा गया कि इसे 14 जून 2024 को रिलीज किया जाएगा, लेकिन कंगना रनौत ने लोकसभा चुनाव के चलते इसे भी पोस्टपोन कर दिया। ऐसे में फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब जब फिल्म की नई रिलीज डेट को ऐलान किया गया है, तो लोगों में खुशी है।

वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

नया पोस्टर आया सामने

वरुण धवन को आखिरी बार फिल्म बवाल में देखा गया था, जिसमें उनके काम की खूब तारीफ हुई। यह फिल्म बीते साल 21 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी।अब वरुण फिल्म बेबी जॉन में नजर आएंगे, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।इसके निर्देशन की कमान एटली ने संभाली है, जिन्होंने बीते साल शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान दी थी।अब निर्माताओं ने बेबी जॉन की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, इस साल क्रिसमस और भी मजेदार हो गया है। 25 दिसंबर को बेबी जॉन की रिलीज़ के लिए तैयार हो जाइए। यह फिल्म अभिनेत्री कीर्ति सुरेश की हिंदी फिल्म डेब्यू है और इसमें वामिका गब्बी भी हैं, जो सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू कर रही हैं। एक्शन एंटरटेनर में जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव जैसे नाम भी शामिल हैं। फिल्म का संगीत एस थमन ने दिया है। बेबी जॉन इस साल क्रिसमस (25 दिसंबर) के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी।फिल्म से वरुण की नई झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है।एटली ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, फिल्म बेबी जॉन 25 दिसंबर को दुनिया भर में रिलीज़ हो रही है। इस साल क्रिसमस और भी मजेदार हो गया है। बेबी जॉन के लिए तैयार हो जाइए।बेबी जॉन में वामिका गब्बी और कीर्ति सुरेश जैसी अभिनेत्रियां भी नजर आएंगी।

रोहित शेट्टी का सिंघम अगेन के खलनायक अर्जुन कपूर को तोहफा

खौफ पैदा कर रहा अभिनेता का नया पोस्टर

रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बनी और अजय देवगन स्टारर फिल्म सिंघम अगेन सिनेमा लवर्स के लिए एक बार फिर धमाकेदार एक्सपीरियंस लेकर आ रही है। इस सीक्वल का फैंस को बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि सिंघम और सिंघम रिटर्न्स की सफलता के बाद यह फिल्म रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रही है। हाल ही में सिंघम अगने की रिलीज डेट का एलान किया गया था। वहीं, अब फिल्म से अर्जुन कपूर का नया पोस्टर रिलीज किया गया है। रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में अर्जुन कपूर की भी एंट्री हो गई है। सिंघम अगेन में वो विलेन के किरदार में नजर आएंगे। 26 जून को एक्टर अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। ऐसे में रोहित शेट्टी ने विश करते हुए फिल्म से एक्टर का नया पोस्टर जारी किया है। सिंघम अगेन रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का एक और बेहतरीन अध्याय साबित होने सकती है। रोहित शेट्टी भी फिल्म को लेकर कोई कोताही नहीं बरत रहे हैं। रिलीज के पहले वो लगातार फिल्म से जुड़ी अपडेट फैंस को दे रहे हैं। अब अर्जुन कपूर के बर्थडे पर भी उन्होंने फिल्म से एक्टर का लुक शेयर किया है, जिसमें एक्टर के चेहरे और हाथ पर खून लगा हुआ,

लेकिन उनके चेहरे पर डरा देने वाली हंसी है। सिंघम अगेन की कहानी एक बार फिर से ईमानदार और निडर पुलिस अधिकारी बाजीराव सिंघम के इर्द-गिर्द घूमेगी। इस बार सिंघम को और भी बड़े और खतरनाक दुश्मनों का सामना करना पड़ेगा। फिल्म में अजय देवगन का दमदार एक्शन और उनका वही पुराना अंदाज दर्शकों को एक बार फिर से मंत्रमुग्ध करेगा। अब देखना यह है कि सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर क्या नया रिकॉर्ड बनाती है और कितनी सफलता प्राप्त करती है। सिंघम अगेन में अजय देवगन और अर्जुन कपूर के साथ- साथ करीना कपूर खान भी नजर आएंगी, जिन्होंने पहले भी सिंघम रिटर्न्स में अहम भूमिका निभाई थी। इनके अलावा फिल्म में रणवीर सिंह भी अपने सिंबा वाले किरदार में दिखेंगे। वहीं, दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ फिल्म में सरप्राइज पैकेज होंगे। सिंघम अगेन में जबरदस्त एक्शन, कॉमेडी और ड्रामा का तड़का होगा, जो दर्शकों को सीट से बांध कर रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन का प्रोडक्शन बड़े पैमाने पर किया गया है। फिल्म के पोस्टर्स ने पहले ही सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। दमदार एक्शन, रोमांचक कहानी और शानदार अभिनय के साथ ये फिल्म दर्शकों को एक बार फिर से सिनेमाघरों में लौटने पर मजबूर कर सकती है। सिंघम अगेन इस साल दीवाली के मौके पर रिलीज होगी। हालांकि, रिलीज डेट अभी रिवील नहीं की गई है।

प्रभास व महेश बाबू के साथ काम करना चाहती हैं राशि खन्ना

साउथ और हिंदी सिनेमा की फेमस एक्ट्रेस राशि खन्ना अपनी सुपरहिट फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपनी करियर की शुरुआत जॉन अब्राहम की फिल्म मद्रास कैफे से की थी, जो 2013 में रिलीज हुई। फिल्म में उनके काम को काफी पसंद किया गया। उन्हें इंडस्ट्री में आए एक दशक पूरा हो चुका है। एक्ट्रेस ने अपनी टॉलीवुड विश लिस्ट के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि वह प्रभास के साथ भी काम करना पसंद करेंगी। उन्होंने कहा, वह बहुत बढ़िया काम कर रहे हैं। मुझे कल्कि 2898 एडी का ट्रेलर बहुत पसंद आया। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। फिलहाल, राशि के पास कई फिल्में हैं, इनमें द साबरमती रिपोर्ट और तलाखों में एक शामिल हैं। दोनों फिल्मों में उनकी जोड़ी एक्टर विक्रांत मैसी के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा, उनकी एक तेलुगु फिल्म तेलुसु कड़ा भी पाइपलाइन में है। द साबरमती रिपोर्ट की बात करें, तो यह ड्रामा थ्रिलर फिल्म 2002 में साबरमती एक्सप्रेस पर हुई सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म 2 अगस्त को रिलीज होने वाली है। राशि को पिछली बार सुंदर सी द्वारा निर्देशित कॉमेडी हॉरर फिल्म अरनमनई 4 में देखा गया था। उन्होंने डॉक्टर माया का किरदार निभाया। इस फिल्म में तमन्ना भाटिया भी लीड रोल में थी। फिल्म में रामचंद्र राजू, संतोष प्रताप, कोवई सरला, योगी बाबू, वीटीवी गणेश और दिल्ली गणेश भी हैं। इसका निर्देशन सुंदर सी ने किया। राशि ने 2014 में तेलुगु फिल्म ऊहालु गुसागुसलाडे से साउथ इंजस्ट्री में कदम रखा। श्रीनिवास अवसारला द्वारा निर्देशित इस रोमांटिक ड्रामा में नागा शौर्य भी लीड रोल में थे। इसे एडमंड रोस्टैंड के फ्रेंच प्ले साइरानो डे बर्गेरैक से रूपांतरित किया गया है। उनकी एक्टिंग को लोगों ने काफी पसंद किया। इसके बाद वह 2015 में फिल्म बंगाल टाइगर में नजर आईं। इस फिल्म में वह रवि तेजा के साथ रोमांस करती दिखाई दीं।

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म ककुड़ा की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

पहला पोस्टर भी आया सामने

हिंदी सिनेमा में हॉरर कॉमेडी मूवीज को काफी पसंद किया जा रहा है।फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख और साकिब सलीम लीड रोल में हैं। सोशल मीडिया पर मेकर्स ने एक डरावना पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर में रितेश बीच में खड़े हैं और उनके हाथ में एक डिवाइस है। उनके बाएं हाथ पर टैटू है और आंखों में काजल लगा हुआ है। उनके बगल में सोनाक्षी हैं, जो डरी-सहमी नजर आ रही हैं। उन्होंने टॉर्च पकड़ी हुई है। रितेश के दूसरी तरफ साकिब हैं, जो गुंडे की तरह दिख रहे हैं और टॉर्च पकड़े हुए हैं। तीनों के पीछे डरावनी परछाई है, जो उन्हें करीब से देख रही है। मेकर्स ने पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, पुरुषों के हित में जारी। ककुड़ा आ रहा है। 12 जुलाई को घर पर रहें और ठीक 7:15 बजे दरवाजा खुला रखना ना भूलें। अब मर्द खतरे में है। ककुड़ा की कहानी उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के शापित रतौड़ी गांव के ईद-गिर्द घूमती है। यहां हर घर में दो दरवाजे होते हैं, एक सामान्य आकार का और दूसरा उससे छोटा। फिल्म में अजीबोगरीब अनुष्ठान होते हैं, जिसके तहत हर मंगलवार को शाम 7:15 बजे हर किसी को अपने घर

के छोटे दरवाजे को खुला रखना होता है, जो ऐसा नहीं करता, उस पर ककुड़ा अपना प्रकोप बरसाता है। वह घर के मुखिया को भयंकर सजा देता है। ककुड़ा कौन है और वह गांव के पुरुषों को सजा क्यों देता है, गांव वालों को अभिशाप से कैसे मुक्ति मिलेगी?, यह सब फिल्म रिलीज होने पर पता चलेगा। फिल्म रोंगटे खड़े कर देने वाले पलों के साथ-साथ हंसी-मजाक से भरपूर भी है। इसमें आसिफ खान भी हैं। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित और रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म 12 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिस पर मुंज्या की कमाई तीसरे सप्ताह में भी जारी

100 करोड़ रुपये की ओर कारोबार

इन दिनों चारों ओर शरवरी वाघ और अभय वर्मा की फिल्म मुंज्या की चर्चा हो रही है।यह फिल्म स्त्री, रूही और भेड़िया निर्मित मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का एक हिस्सा है।7 जून को रिलीज हुई यह फिल्में दर्शकों पर अपना जादू चलाने में सफल रही है। तीसरे सप्ताह में भी इस फिल्म को खुमार दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है।अब मुंज्या की कमाई के 19वें दिन के आंकड़े सामने आए हैं। फिल्म की कमाई की बात करें तो 'मुंज्याó ने रिलीज के पहले हफ्ते में 4 करोड़ कलेक्शन किया था. वहीं पहले हफ्ते में 'मुंज्याó की कमाई 35.3 करोड़ रुपये रही और दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 32.65 करोड़ का कारोबार किया. वहीं तीसरे हफ्ते के तीसरे शुक्रवार फिल्म ने 3 करोड़, तीसरे शनिवार 5.5 करोड़, तीसरे संडे 6.85 करोड़ और तीसरे सोमवार 2.25 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'मुंज्याó ने रिलीज

के 19वें दिन यानी तीसरे मंगलवार 2.15 करोड़ की कमाई की. इसी के साथ 'मुंज्याó के 19 दिनों का कुल कलेक्शन अब 87.70 करोड़ रुपये हो गया है. 'मुंज्याó बॉक्स ऑफिस पर हर दिन कमाल कर रही है. इस छोटे बजट की फिल्म ने कई बड़ी फिल्मों को मात दे दी है. यहां तक कि कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन भी 'मुंज्याó के आगे फीकी साबित हो रही है. इस फिल्म ने रिलीज के 19 दिनों में 87 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है. अब ये फिल्म 100 करोड़ से चंद कदम दूर है. फिल्म की कमाई की रफ्तार देखते हुए ये लग रहा है कि 'मुंज्याó जल्द ही ये माइल स्टोन पार कर लेगी. हालांकि अब इस फिल्म को टक्कर देने के लिए सिनेमाघरों में प्रभास स्टारर कल्किक 2898 एडी रिलीज हो रही है.

काली साड़ी पहन एक्ट्रेस श्रिया सरन ने इंटरनेट पर लगाई आग

कातिलाना अदाएं दिखाकर लूटा फैंस का दिल

साउथ की हसीन अदाकारा श्रिया सरन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस की कुछ लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें वो काफी ज्यादा खूबसूरत नजर आ रही हैं। बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना श्रिया सरन आए दिन अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनके कातिलाना लुक से फैंस नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रिया सरन ने ब्लैक कलर की बेहद ही स्टाइलिश साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग नजर आ रही हैं। फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस श्रिया सरन ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर पोज दिए हैं। इन तस्वीरों में उनकी बेबाकी थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बालों को खोलकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्रिया सरन ने अपने आउटलु को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस श्रिया सरन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।